राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार,१६ दिसंबर २०२० वर्ष-३, अंक -३१७ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सामुदायिक अपशिष्ट जल से कोरोना वायरस के फैलाव का खतरा, इंडो-स्विस अध्ययन में हुआ खुलासा

नई दिल्ली। स्विस एजेंसी फॉर डेवलपमेंट एंड कोऑपरेशन (एसडीसी)की ओर से चेन्नई सिटी में सामुदायिक अपशिष्ट जल (वेस्ट वाटर) से कोविड-19 के फैलाव के खतरे को देखते शोध किया गया। एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टीईआरआई), म्यू गामा कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड (एमजीसी), एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसआरएमआईएसटी) के वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और नीति वैज्ञानिकों के एक संघ द्वारा यह इंडो-स्विस अध्ययन का आयोजित किया गया अध्ययन में चेन्नई में विभिन्न कैचमेंट के सामुदायिक अपशिष्ट जल में सार्स-कोव-2 की उपस्थिति का विश्लेषण किया गया। शुरुआती लॉकडाउन और लॉकडाउन के बाद की अवधि के दौरान चेन्नई सिटी, एसआरएम परिसर और चेन्नई मेट्रो क्षेत्र के एसटीपी में कुल 156 नमूनों का विश्लेषण किया गया, जिसमें से 48 प्रतिशत सकारात्मक पाए गए। अध्ययन में पाया गया कि सामुदायिक अपशिष्ट जल के कारण एक समुदाय के भीतर कोविड-19 के फैलाव और हॉटस्पॉट की उपस्थिति का प्रारंभिक संकेत है। अपशिष्ट जल के लिए अतरिक्त व्यवस्था करने की जरुरत है। ताकि समय रहते इस महामारी के फैलाव को रोका जा सके। विभिन्न अस्पतालों और जगहों से निकले अपशिष्ट जल (वेस्ट वाटर) नालियों के माध्यम से नदियों में जाते है जिससे कई प्रकार की परेशानी उत्पन्न हो सकती है। इस अध्ययन के निष्कर्षों पर चर्चा के लिए 11 दिसंबर को एक वेबिनार का आयोजन हुआ। म्यू गामा कंसल्टेंट्स के डॉ. गिरिजा भरत ने कहा कि अपशिष्ट जल सार्स-कोव-2 की उपस्थिति के लिए एक अच्छा संकेतक के रूप में उभरा है जैसा कि दुनिया भर में कई शोध अध्ययनों द्वारा पुष्टि की गई है। उसी के आधार पर हमने चेन्नई में इस अध्ययन का संचालन करने के लिए निर्धारित किया, जिसने पुष्टि की कि सामुदायिक अपशिष्ट जल में सार्स-कोव-2 वायरस की उपस्थिति का स्तर सीधे समुदाय में कोविड-19 के प्रसार से संबंधित है।

सरदार पटेल की 70वीं पुण्यतिथि पर पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 70वीं पुण्यतिथि है। भारत रत्न से सम्मानित सरदार वल्लभ भाई पटेल ने 15 दिसंबर सन् 1950 को अंतिम सांस ली थी। देश की एकता और अखंडता में उनके योगदान को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए गुजरात के अहमदाबाद में नर्मदा नदी के पास उनकी विशाल प्रतिमा स्थापित की गई है। इसे स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के नाम से जाना जाता है। ऐसा दावा है कि यह दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है। पूरे देश में एकता का प्रतीक बने सरदार को उनकी पुण्यतिथि पर पीएम मोदी समेत कई नेताओं ने श्रद्धांजलि दी है।

पीएम मोदी, अमित शाह ने किया याद

पीएम नरेंद्र मोदी ने सरदार पटेल को उनकी पुण्यतिथि पर याद किया। उन्होंने ट्वीट में लिखा- सशक्त, सुदृढ़ और समृद्ध भारत की नींव रखने वाले लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल को उनकी पुण्यतिथि पर शत-शत नमन। उनके दिखाए मार्ग हमें देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा करने के लिए सदा प्रेरित करते रहेंगे।

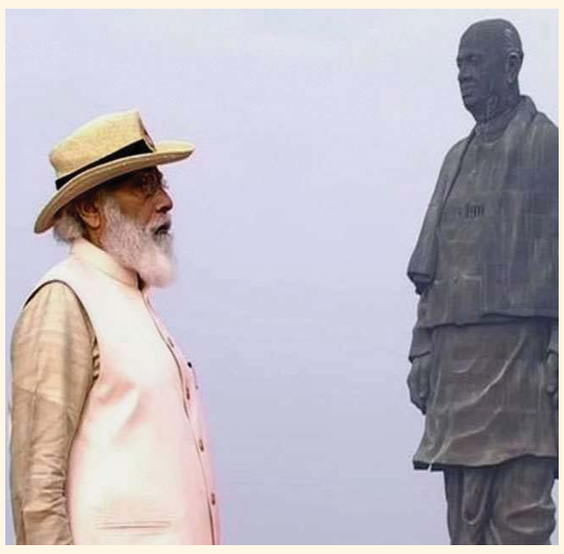

देश की एकता और अखंडता में उनके योगदान को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए गुजरात के अहमदाबाद में नर्मदा नदी के पास उनकी विशाल प्रतिमा स्थापित की गई है। इसे स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के नाम से जाना जाता है। ऐसा दावा है कि यह दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है। पूरे देश में एकता का प्रतीक बने सरदार को उनकी पुण्यतिथि पर पीएम मोदी समेत कई नेताओं ने श्रद्धांजलि दी है।

गृह मंत्री अमित शाह ने भी सरदार पटेल को उनकी पुण्यतिथि पर याद किया है। अमित शाह ने एक ट्वीट में लिखा- सरदार पटेल जी का जीवन और व्यक्तित्व इतना विराट है, जिसे शब्दों में पिरो पाना संभव नहीं है। उन्होंने आगे लिखा कि सरदार साहब भारत की एकता और शक्ति के प्रतीक हैं, उन्होंने जटिल से जटिल समस्याओं का समाधान कर एक अखंड भारत को आकार दिया। उनका दृढ़ नेतृत्व और राष्ट्र समर्पण सदैव हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा।

नीतीन गडकरी बोले- सरकार कृषि कानूनों पर सभी अच्छे सुझावों को स्वीकार करने के लिए तैयार

नई दिल्ली। कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का आंदोलन बीते 20 दिनों से जारी है। इस बीच सरकार ने कहा है कि किसानों के सभी अच्छे सुझावों को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि सरकार किसानों को समझाने, बातचीत के माध्यम से रास्ता निकालने के लिए तैयार है। न्यूज एजेंसी के साथ एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि बातचीत किसान संघों द्वारा विरोध का समाधान खोजने का एकमात्र तरीका है। बातचीत नहीं होने से गलतफहमी पैदा हो सकती है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता नीतीश गडकरी ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार में किसानों के साथ कोई अन्याय नहीं होगा। उन्होंने कहा, ÷सरकार सभी अच्छे सुझावों (किसानों से) को स्वीकार करने के लिए तैयार है। इसमें कुछ समय लगेगा। हमारी सरकार किसानों को समझाएगी और बातचीत के जरिए रास्ता निकालेगी।

उन्होंने कहा, अगर कोई बातचीत नहीं होती है, तो यह विवाद और छींटाकशी करने के लिए गलतफहमी पैदा कर सकता है। अगर बातचीत होती है तो मुद्दों को हल किया जाएगा, पूरी बात खत्म हो जाएगी, किसानों को न्याय मिलेगा, उन्हें राहत मिलेगी। किसानों का हित के लिए हम काम कर रहे हैं। गडकरी ने कहा, किसानों को इन कानूनों को समझना चाहिए। हमारी सरकार किसानों के लिए समर्पित है और उनके द्वारा दिए गए सुझावों को स्वीकार करने के लिए तैयार है। हमारी सरकार में किसानों के साथ कोई अन्याय नहीं होगा। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री ने कहा कि किसान संघ को केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के साथ मिलकर कृषि कानूनों की चर्चा करनी चाहिए जो इसके लिए तैयार हैं।

उन्होंने कहा, मैं एक साधारण बात पूछना चाहता हूं। यदि आप फार्मेसी में जाते हैं, जो कौन लागत तय करता है? दुकानदार या कंपनी? आप भोजन करने के लिए रेस्तरां जाते हैं, जो आपके बिल की लागत कौन तय करता है? वह होटल का मालिक होता है। वैसे ही हवाई जहाज से यात्रा करते समय, टिकट की लागत का फैसला करता है? कंपनी जो इसका मालिक है। लेकिन जब किसान अपनी फसल की खरीद के लिए मंडी जाते हैं तोअपनी फसल के उत्पादन की लागत क्यों नहीं तय करते हैं? क्या यह सही है? गडकरी ने कहा कि अगर उनसे किसानों से बात करने को कहा जाता है, तो वह उनसे बात करेंगे।

उन्होंने कहा कि अभी कृषि और वाणिज्य मंत्री किसानों के साथ बातचीत कर रहे हैं। अगर मुझे किसानों से बात करने के लिए कहा जाता है, तो मैं उनसे बात करूंगा। मंत्री ने कहा कि एनडीए सरकार ने पिछले छह वर्षों में कई बार फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि की है। उन्होंने कहा, पिछले छह वर्षों में हमने फसलों का एमएसपी छह गुना बढ़ा दिया। मुझे बताएं कि हम किसानों के खिलाफ कैसे हैं? पिछले छह साल में किसानों के हित में जो काम किए गए, वे पिछले 50 वर्षों में नहीं किए गए। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे द्वारा भूख हड़ताल की चेतावनी के बारे में पूछे जाने पर कहा, मुझे नहीं लगता कि अन्ना हजारे जी इसमें शामिल होंगे। किसानों के खिलाफ हमने कुछ भी नहीं किया है।

अजित डोभाल के श्रीलंका दौरे के बाद मालदीव में बैठे वांटेड अपराधियों को वारंट भेजना हुआ संभव

नई दिल्ली। भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियां मालदीव में वांटेड अपराधियों को (जिनका भारत में किए गए अपराध से संबंध होगा) समन या जांच के लिए वारंट सक्षम कोर्ट के माध्यम से भेज सकती हैं। हालांकि ये प्रक्रिया गृह मंत्रालय के जरिये ही आगे बढ़ाई जाएगी। भारत और मालदीव के बीच परस्पर कानूनी सहायता संधि- एमलैट के तहत साल पर पहले हुए समझौते को लागू करने के लिए नियम अधिसूचित करने की जानकारी मालदीव को दी गई है। गृह मंत्रालय ने दोनों देशों के बीच हुए एक समझौते के अनुसार मालदीव में अभियुक्तों को समन जारी करने के लिए भारतीय अदालतों के लिए नियमों को अधिसूचित किया है। सूत्रों ने बताया कि उन नियमों को अधिसूचित किया गया है, जिनके तहत भारतीय पुलिस या किसी केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा मालदीव में किसी भी आरोपी को भारतीय अदालतों के माध्यम से समन या तलाशी वारंट भेजा जा सकता है।

प्रक्रिया गृह मंत्रालय करेगा

नियमों में कहा गया है, केंद्र सरकार द्वारा मालदीव गणराज्य में अपराधियों को समन भेजने या आपराधिक मामलों के संबंध में वारंट और सर्च वारंट की व्यवस्था केंद्र सरकार द्वारा की गई है। समन की प्रक्रिया गृह मंत्रालय के माध्यम से कराई जानी चाहिए। नियमों में यह भी कहा गया है कि इसी तरह मालदीव की अदालत से प्राप्त समन, वारंट, दस्तावेज या अन्य दस्तावेज भी एमएचए को भेज दी जानी चाहिए। आपराधिक प्रक्रिया संहिता, 1973 की (1974 की 2) की धारा 105 की उप-धारा (2) के प्रावधान के अनुसार, केंद्र सरकार ने इस संबंध में दिशा निर्देश तय किए हैं। गृह मंत्रालय में इस मामले को आंतरिक सुरक्षा-2 विभाग देखेगा।

2019 में हुई थी संधि

भारत और मालदीव ने पहली बार 3 सितंबर, 2019 को आपराधिक मामलों के लिए पारस्परिक कानूनी सहायता संधि (एमएलएटी) पर हस्ताक्षर किए थे। भारत ने 42 अन्य देशों के साथ इस तरह की संधि व्यवस्था पर हस्ताक्षर किए हैं। सूत्रों के मुताबिक नवम्बर के आखिरी हफ्ते में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल श्रीलंका की यात्रा पर गए थे।

कोरोना वायरस पर 91 प्रतिशत प्रभावी है रूसी वैक्सीन स्पुतनिक V, डेटा से सामने आए नतीजे

नई दिल्ली। दुनियाभर में कोरोना वायरस से मुक्ति पाने के लिए वैक्सीन बनाने की रेस लगी है। सभी देश चाहते हैं कि वे जल्द से जल्द कोरोना का टीका तैयार कर लें। रूस पहले ही दावा कर चुका है कि उसने कोरोना की पहली वैक्सीन बना ली है जिसका नाम है स्पुतनिक ङ्क। अब रूस के स्पुतनिक वी वैक्सीन के डेवलपर्स ने कहा कि उसने नैदानिक परीक्षणों से डेटा के अंतिम विश्लेषण के आधार पर 91.4 प्रतिशत की प्रभावकारिता दिखाई थी और विभिन्न देशों में वैक्सीन के त्वरित पंजीकरण के लिए एक रिपोर्ट तैयार की जा रही है। गामालेया नेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एपिडेमियोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी और रूसी डायरेक्ट इनवेस्टमेंट फंड (आरडीआईएफ) ने कहा कि ये कैलक्यूलेशन वॉल्टियर्स के डेटा के विशलेषण पर आधारित था जिन्होंने स्पुतनिक V पहला, दूसरा या फाइनल टीका लगवाया था। भारत में, डेवलपर्स ने परीक्षण और विनियामक अनुमोदन के लिए डॉ रेड्डी की प्रयोगशालाओं के साथ टायअप किया है और अगर अप्रवूल किया जाता है, तो आरडीआईएफ डॉ रेड्डी के वितरण के लिए वैक्सीन की 100 मिलियन खुराक की आपूर्ति करेगा। डॉ। रेड्डी ने हाल ही

में अपेक्षित क्लीयरेंस प्राप्त करने के बाद दूसरे और तीसरे क्लिनिकल परीक्षण शुरू किया है।

डॉ रेड्डीज में एपीआई और फार्मास्युटिकल सेवाओं के सीईओ दीपक सपरा के अनुसार, भारत में वितरित स्पुतनिक वी खुराक भारतीय और रूसी निर्मित टीकों का एक संयोजन होगा। अलग से बात करें तो रडीआईएफ ने हाल ही में भारत में 2021 से एक वर्ष में 100 मिलियन खुराक बनाने के लिए हेटेरो बायोफार्मा के साथ एक समझौते को अंतिम रूप दिया। 26,000 से अधिक स्वयंसेवकों को रूस में स्पुतनिक वी के डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक, प्लेसबो-नियंत्रित के तीसरे चरण में पंजीकरण करने के बाद के नैदानिक परीक्षणों के भाग के रूप में टीका लगाया गया था। बयान में कहा गया है, कोई अप्रत्याशित प्रतिकूल घटना अनुसंधान के हिस्से के रूप में पहचानी नहीं गई। स्पुतनिक वी की प्रभावकारिता का विश्लेषण 78 पुष्ट मामलों के आधार पर किया गया, जिसमें प्लेसबो समूह में पहचाने गए 62 मामले और टीका समूह में 16 मामले शामिल हैं। भारत के अलावा, स्पुतनिक वी के चरण III नै दानिक परीक्षण बेलारूस, यूएई, वेनेजुएला और अन्य देशों में चल रहे हैं। रूस के स्वास्थ्य मंत्री मिखाइल मुराशको ने कहा गेमालेया केंद्र के टीके की प्रभावशीलता पर नया डेटा बेहद उत्साहजनक है।

कोयला ब्लॉक नीलामी के खिलाफ सुनवाई जनवरी में, SC ने चेताया- बंद खदानों को दोबारा रिग्रास करें

नई दिल्ली। केंद्र की कोयला ब्लॉकों की वर्चुअल नीलामी की परियोजना के खिलाफ झारखंड सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट जनवरी के तीसरे हफ्ते में सुनवाई करेगा। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र हमारी अनुमति के बिना झारखंड में खनन के लिए जमीन ना खोदे। कोर्ट ने चेतावनी दी कि बंद खदानों को दोबारा रिग्रास नहीं किया गया तो कार्रवाई होगी शीर्ष न्यायालय ने कहा कि वह बंद खानों को फिर से रिग्रास करने के अपने आदेशों का कड़ाई से पालन चाहता है। केंद्र ने सर्वोच्च अदालत को सूचित किया कि खनन स्थल पर कुछ भी नहीं हो रहा है और नीलामी एक लंबी प्रक्रिया है। पिछली सुनवाई में

सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया था कि झारखंड में 9 खानों की नीलामी के संबंध में कोई भी नीलामी, लाइसेंस, पट्टा आदि अदालत के अंतिम फैसले के अधीन होगा। केंद्र ने अदालत को आश्वासन दिया कि इस बीच कोई पेड़ नहीं काटा जाएगा और खनन नहीं होगा। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने मौखिक रुप से टिप्पणी की कि वो देशभर के लिए आदेश जारी करने पर विचार करेगा कि अगर कोई खदान पर्यावरण संवेदी जोन के 50 किमी के दायरे में आती है तो खनन की इजाजत नहीं होगी।

यूपी के इस शहर में 400 करोड़ का निवेश करेगी ब्रिटिश कंपनी, पांच हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

कानपुर। पहले अपने देश को खमीर का ज्यादातर आयात करना पड़ता था मगर अब आत्मनिर्भर बनकर निर्यात भी कर सकेगा। इसके लिए बुंदेलखंड के चित्रकूट में ब्रिटिश कंपनी एबी मोरी 400 करोड़ का निवेश करेगी। मेगा औद्योगिक यूनिट की स्थापना के लिए यूपीसीडा ने कंपनी को 68 एकड़ जमीन का आवंटन कर दिया है।

यूपीसीडा के सीईओ मयूर माहेश्वरी का कहना है कि इस यूनिट की स्थापना से 5000 लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप

से रोजगार मिलेगा। चित्रकूट के बरगढ़ इलाके में मिली इस जमीन पर कंपनी द्वारा जर्मन एवं स्पेन की मशीनें लगाई जाएंगी जिनसे 33 हजार मिलियन टन खमीर का उत्पादन होगा। उत्पादन की सारी प्रक्रिया जीरो लिक्विड डिस्चार्ज पर आधारित होगी। यूपीसीडा ने महज 15 दिनों के भीतर निवेश मित्र पोर्टल के जरिए जमीन का आवंटन सस्ती दरों पर किया है।

खमीर उत्पादन में एबी मौरी अग्रणी कंपनी

ब्रिटिश की कंपनी एबी मौरी खमीर के उत्पादन में विश्व की अग्रणी कंपनी है। कंपनी का सालाना टर्नओवर 1.2 बिलियन यूएस डॉलर का है। कंपनी ने 32 देशों में 52 प्लांट लगाए हैं। यूपीसीडा के सीईओ का कहना है कि विश्व में 45 प्रतिशत खमीर का उत्पादन अकेले यही कंपनी करती है। कंपनी द्वारा मेगा यूनिट लगाने से बुंदेलखंड जैसे पिछड़े इलाके में औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। सीईओ ने बताया कि कंपनी द्वारा खमीर उत्पादन के लिए मुख्य फसल के रूप में गन्ना और गेहूं का इस्तेमाल किया जाएगा जो आसपास के किसानों से कंपनी द्वारा सीधे खरीदा जाएगा। इससे किसानों को भी राहत मिलेगी।

हाईकोर्ट ने सीबीएसई को लगाई फटकार, बोर्ड से पूछा-छात्र पढ़ाई करेंगे या फिर कोर्ट में मुकदमा लड़ेंगे

नई दिल्ली। छात्र विरोधी रवैया अपनाने पर उच्च न्यायालय ने सोमवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) को कड़ी फटकार लगाई। न्यायालय ने कहा है कि सीबीएसई छात्रों से दुश्मन की तरह व्यवहार कर रही है।मुख्य न्यायाधीश डी.एन. पटेल और न्यायमूर्ति प्रतीक जालान की पीठ ने सीबीएसई की ओर से उच्च न्यायालय ने एकलपीठ के फैसले के खिलाफ दाखिल अपील पर सुनवाई करते हुए यह तीखी टिप्पणी की है। अपील में सीबीएसई ने एकलपीठ के उस आदेश को चुनौती दी है जिसमें कहा गया कि कोरोना महामारी के चलते रद्द हुए परीक्षा से प्रभावित छात्रों के लिए सीबीएसई द्वारा लागू की पुनर्मूल्यांकन योजना का लाभ परीक्षा परिणाम में सुधार के लिए आवेदन करने वाले छात्रों को भी देने का निर्देश दिया था।

पीठ ने कहा कि हम सीबीएसई के इस छात्र विरोधी रवैये को बिलकुल भी पसंद नहीं कर रहे। पीठ ने सीबीएसई को फटकार लगाते हुए कहा कि आप छात्रों को बिना किसी उचित कारण के कुछ मामलों में सर्वोच्च न्यायालय तक

मुकदमेबाजी में घसीट रहे हो। पीठ ने सीबीएसई से पूछा कि छात्र पढ़ाई करेंगे या फिर कोर्ट में मुकदमा लड़ेंगे। उच्च न्यायालय ने कहा कि अब हमें सीबीएसई पर जुर्माना लगाना शुरू कर देना चाहिए क्योंकि वह छात्रों को दुश्मन की तरह समझ रही है।

उच्च न्यायालय ने कहा है कि यदि पुनर्मूल्यांकन योजना का लाभ परिणाम में सुधार के लिए आवेदन करने वाले छात्रों को मिलता है तो, इसमें एकलपीठ के आदेश में क्या खामी है। एकल पीठ ने 14 अगस्त को कोरोना महामारी के चलते रद्द हुए परीक्षा से प्रभावित छात्रों के लिए सीबीएसई द्वारा लागू की पुनर्मूल्यांकन योजना का लाभ सुधार के लिए आवेदन करने वाले सभी छात्रों को देने का निर्देश दिया था। कोरोना महामारी के चलते रद्द हुए परीक्षा से प्रभावित छात्रों के लिए सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर सीबीएसई द्वारा पुनर्मूल्यांकन योजना लागू की गई।

उच्च न्यायालय ने यह आदेश 12वीं कक्षा का बोर्ड परीक्षा देने वाले एक छात्र की ओर से दाखिल याचिका पर दिया था। पिछले साल छात्र ने 12वीं कक्षा के परीक्षा में 95.25 फीसदी का अंक प्राप्त किया था और उसने सुधार के लिए उसने अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, बिजनेस स्टडीज और एकाउंटेंसी के परीक्षा में शामिल हुआ। लेकिन इस साल 24 मार्च को होने वाले बिजनेस स्टडीज पेपर का परीक्षा कोरोना के मद्देनजर लागू लॉकडाउन की वजह से रद्द हो गया। इसके बाद छात्र ने पुनर्मूल्यांकन योजना के तहत अंक बढ़ाने की मांग की। लेकिन सीबीएसई ने इनकार कर दिया था। तबछात्र ने उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की थी। हालांकि उच्च न्यायालय ने इस मामले में संबंधित छात्र को नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 5 फरवरी को होगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

शर्मनाक घटना

कर्नाटक के कोलार में आईफोन निर्माण करने वाले कारखाने में तोड़फोड़ और उसे लूटा जाना बहुत दुखद और शर्मनाक है। यह एक ऐसा अप्रिय व सनसनीखेज अपराध है, जिसकी गूंज दुनिया भर में होगी और भारत की छवि पर बट्टा लगेगा। ताईवान की कंपनी विस्ट्रोन के कोलार, कर्नाटक स्थित संयंत्र को इससे करीब 440 करोड़ रुपये का नुकसान बताया जा रहा है। कंपनी का कहना है कि न केवल तोड़फोड़ हुई है, बल्कि हजारों फोन लूटे गए हैं। पुलिस के साथ-साथ श्रम विभाग में शिकायत पहुंची है। कोलार जिले के नरसापुरा में स्थित विदेशी कंपनी का कारखाना जिस तरह से निशाना बनाया गया है, उससे निजी क्षेत्र की दूसरी कंपनियों के मनोबल पर भी असर पड़ेगा, लेकिन इस घटना को गंभीरता से लेते हुए इसके सभी पक्षों को ढंग से समझना जरूरी है। अव्वल तो पथराव करने वाले लोग कहीं बाहर से नहीं आए थे, कारखाने में काम करने वाले लोगों ने ही अपना गुस्सा निकाला है। कर्मचारी वेतन घटाए जाने या न मिलने से नाराज थे और देखते-देखते भीड़ में बदल गए। पहले अपनी ही कंपनी पर पथराव किया और उसके बाद तोड़फोड़ और लूट का दौर चला। कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें चार महीने से वेतन नहीं मिला है, जबकि कंपनी का कहना है, कर्मचारी ठेके के तहत आते हैं और एक अन्य कंपनी के तहत काम करते हैं। मोबाइल निर्माता कंपनी ठेका कंपनी को पूरे भुगतान करती रही है। कंपनी काफी बड़ी है, जिसमें सात-आठ हजार कर्मचारी काम करते हैं। ऐसे में, यह बात पहली नजर में ही साफ है, कंपनी का प्रबंधन सही तरीके से नहीं हो रहा था। देश में कोरोना के समय बहुत सी कंपनियां हैं, जहां कर्मचारियों की तनख्वाह घटी है, नौकरी छिनी है, लेकिन कहीं से भी ऐसी खबर अब तक नहीं आई थी। यह एक झटके की तरह है, जिससे संभलने में न केवल उस कंपनी, बल्कि स्वयं कर्नाटक के प्रशासन को समय लगेगा। बेशक, हिंसा या लूटपाट को कतई माफ नहीं किया जा सकता, जो भी उचित कार्रवाई है, उसे जल्द से जल्द अंजाम देकर दुनिया को दिखाने की जरूरत है कि भारत में यह घटना महज एक अपवाद है। बेशक, वेतन मांगने का यह तरीका स्वयं कर्मचारियों के लिए खतरनाक है, पर घटना की तह में जाकर देखना चाहिए कि कर्मचारियों की नाराजगी इतनी कैसे बढ़ गई? बगैर समय गंवाए उस ठेका कंपनी पर हमेशा के लिए रोक लगनी चाहिए। उसने अपनी अक्षमता से स्थिति को हिंसक स्तर पर पहुंचा दिया। साथ ही, किसी दूसरी या तीसरी कंपनी की मदद से कर्मचारी रखने वाली कंपनियों को भी सचेत हो जाना चाहिए। ध्यान रहे, अंतत- मूल कंपनी का ही अपमान होता है और ब्रांड की छवि खराब होती है। दूसरी और तीसरी कंपनी से कर्मचारी लेकर चलने की चालाकी ढेर भी हो सकती है, जैसी कोलार में हुई है। जिम्मेदार कंपनियों को अपने नाम की चिंता अवश्य होनी चाहिए। आईफोन बनाने वाली यह कंपनी अगर पहले ही सजग रहती, तो कर्मचारियों का गुस्सा इस हद तक नहीं पहुंच पाता। इस घटना की रोशनी में भारत में तमाम औद्योगिक क्षेत्र को खुद पर सावधानी के साथ निगाह डाल लेनी चाहिए। जहां भी दूसरी या तीसरी कंपनी के जरिए नाराजगी पाली-पोसी जा रही है, वहां तत्काल सुधार के कदम उठाने की जरूरत है, ताकि कोलार जैसी घटना भारत में कभी और दोहराई न जाए।

हमारी आर्थिकी में कोरोना संकट के बीज

भरत झुनझुनवाला

अर्थशास्त्र का एक मौलिक सिद्धान्त उपयोगिता का है। बताया जाता है कि मनुष्य जब पहला केला खाता है तो उसे कुछ उपयोगिता यानी यूटिलिटी अथवा सुख मिलता है। जब वह दूसरा केला खाता है तो पहले की तुलना में उससे कुछ कम उपयोगिता मिलती है और जब वह तीसरा केला खाता है तो उसे और कम मिलती है। इसी प्रकार अर्थशास्त्र के अनुसार हर उपभोक्ता उत्तरोत्तर खपत तब तक बढ़ाता जाता है जब तक उस खपत से मिलने वाली उपयोगिता शून्य न हो जाए। यह सिद्धांत मनुष्य को उत्तरोत्तर अधिक खपत करने की ओर ढकेलता है। जैसे जब हम कहते हैं कि देश पांच ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा तो इसके पीछे विचारधारा है कि हम पांच ट्रिलियन डालर के माल की खपत अपने देश के नागरिकों को उपलब्ध करायेंगे और वे सुखी हो जायेंगे। लेकिन अर्थशास्त्र इस बात को नजरअंदाज करता है कि मनुष्य की खपत की चाहत तो अनंत है लेकिन प्रकृति प्रदत्त संसाधन सीमित हैं। इसलिए उपयोगिता का यह सिद्धांत दो प्रकार से संकट पैदा करता है और कोरोना जैसे संकट को लाता है-- पहला संकट इस प्रकार के वायरस को पैदा करके और दूसरा संकट इस प्रकार के वायरस से हमारी प्रतिरोध करने की क्षमता को कमजोर करके। जैव विविधता पर अंतर्देशीय विज्ञान नीति प्लेटफार्म के अनुसार मनुष्य लगातार नये क्षेत्रों में प्रवेश कर रहा है जहां अभी तक वह नहीं जाता था। जैसा अमेज़न के घने जंगल को अब हम खेती के लिए काट रहे हैं। अपने देश में घने जंगल के बीच से सड़क बनाने को पर्यावरण की स्वीकृति की अनिवार्यता को अब निरस्त कर दिया गया है, जिससे जंगल को काट कर सड़क आसानी से बनायी जा सके। जंगलों को काटकर भूमिगत खनन को बढ़ावा दिया जा रहा है अथवा कृषि का विस्तार किया जा रहा है। समुद्र के नीचे के कोरल रीफ की परवाह न करते हुए जलमार्ग का निर्माण हो रहा है। पहाड़ों के ऊपरी हिस्सों में जहां नदियों का उद्गम है और वे स्वतंत्र बहती हैं, उनके पानी को रोककर सिंचाई के लिये तालाब और जलविद्युत का निर्माण कर उनके प्रवाह को रोका जा रहा है। फसलों में जैव विविधता की अनदेखी करके मुट्ठी भर ऐसी फसलों को बढ़ावा दिया है, जिनसे उत्पादन अधिक होता है। ऐसा करने से फसलों की पर्यावरण परिवर्तन को अपने ऊपर सहन कर लेने की जो क्षमता है, वह कमजोर पड़ती जा रही है। प्रकृति के साथ इस प्रकार के हस्तक्षेप करके हम उन क्षेत्रों को खोल रहे हैं जहां आज तक कोरोना जैसे वायरस चुपचाप विश्राम कर रहे थे। अब ये वायरस वहां से कूदकर मनुष्यों में प्रवेश कर रहे हैं। उसी प्रकार जैसे जंगल काटने पर हाथी रिहायशी क्षेत्रों में प्रवेश करने लगते हैं। इस प्रकार हम अपनी खपत को बढ़ाने के लिए नये क्षेत्रों में प्रवेश कर रहे हैं; और पुराने क्षेत्रों में जैव विविधता को समाप्त कर रहे हैं और उन क्षेत्रों में जो कोरोना जैसे वायरस हैं, उनको बाहर आने का अवसर दे रहे हैं अथवा उन्हें मजबूर कर रहे हैं। दूसरी तरफ हम उसी उपयोगिता के सिद्धांत पर चल कर अपने शरीर को कमजोर बना रहे हैं। हम अपनी बिजली की खपत उत्तरोत्तर बढ़ाते जाते हैं जैसे अनेक घरेलू उपकरणों के लिए यथा वाशिंग मशीन, एयर कन्डीशनर, ओवन, टोस्टर, हीटर, गीजर इत्यादि के प्रयोग के लिए अथवा उद्योगों में एल्यूमीनियम जैसे ऊर्जा सघन माल के उत्पादन के लिए। इसके लिए हम बिजली का भी उत्पादन बढ़ाते जाते हैं। बिजली के उत्पादन में हमारे ताप विद्युतघर नाइट्रोजन आक्साइड का भारी मात्रा में उत्सर्जन करते हैं। शोध बताते हैं कि इस जहरीली गैस से मनुष्य के फेफड़े कमजोर हो जाते हैं और वे जल्दी से बाहरी संक्रमण के शिकार हो जाते हैं। यह भी पाया गया कि मनुष्य के रक्त में जो लाभकारी सफ़ेद सेल होते हैं, उन पर भी नाइट्रोजन डाई आक्साइड का प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। हमने अपनी जीवनशैली को भी प्रकृति से अलग कर लिया है। जैसे एयर कन्डीशनर को ही आप ले लें। घर में, कार में और आफिस में सभी जगह हम एक कृत्रिम वातावरण में रहते हैं। इस वातावरण की खपत करते हैं। इस प्रकार हमारे शरीर का प्रकृति से सम्पर्क कम हो गया है और हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता का ह्रास हो गया है। हम एयरकंडिशनर से मिलने वाली उपयोगिता को निरंतर बढ़ाने पर केन्द्रित हैं। खपत अथवा उपयोगिता को बढ़ाने के लिए एक तरफ हमने कोरोना जैसे वायरस को पैदा किया तो दूसरी तरफ अपने शरीर की कोरोना जैसे वायरस से मुकाबला करने की क्षमता का ह्रास किया। उपयोगिता बढ़ने के इन दोनों फलों का परिणाम कोरोना जैसे संकट हैं। इस सम्बन्ध में एक विचार यह है कि साफ़ ऊर्जा और स्वस्थ जीवनशैली को अपनाकर हम इस प्रकार की समस्याओं का मुकाबला कर सकते हैं। लेकिन अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में ऊंचे माइलेज देने वाली कार को बढ़ावा देने के लिए उपभोक्ताओं को सब्सिडी दी गई। विचार था कि एक लिटर पेट्रोल में 15 किलोमीटर के स्थान पर 25 किलोमीटर चलने वाली कार का उपयोग होगा तो पेट्रोल की खपत कम होगी और प्रदूषण कम होगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हुआ यह कि लोगों ने कार से यात्रा बढ़ा दी और प्रदूषण पूर्ववत बना रहा। ऊर्जा की खपत पूर्ववत रही। कुशल ऊर्जा से यात्रा में विस्तार हुआ, न कि ईंधन की खपत में कमी आई। अतः साफ़ ऊर्जा से खपत कम नहीं होती है। हमें उपयोगिता के सिद्धांत पर पुनर्विचार करना होगा। प्रख्यात अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन बताते हैं कि सच्चा साधु न्यून खपत में अधिक आनंद प्राप्त करता है। इसी क्रम में मनोवैज्ञानिक कार्ल युंग कहते हैं कि मनुष्य यदि अपने चेतन को अपने अचेतन से जोड़ ले तो वह सुख प्राप्त करता है। अर्थ यह हुआ कि मनुष्य यदि अपने अचेतन की इच्छाओं की पूर्ति मात्र तक खपत करे तो वह सुखी होगा। जैसे यदि किसी व्यक्ति के अचेतन मन में केला खाने की इच्छा है तो वह विज्ञापन देखकर पिज्जा खाने को न दौड़े। हम अर्थशास्त्र की सुख की परिभाषा को खपत और उपयोगिता से हटाकर यदि अचेतन से जोड़ दें तो यह अनंत खपत का सिद्धांत समाप्त हो जाएगा। मनुष्य सीमित मात्रा में अचेतन की बतायी दिशा में खपत करके सुख हासिल कर सकेगा। तब मनुष्य जंगलों, नदियों और कोरल रीफों को नष्ट नहीं करेगा। कोरोना से उत्पन्न संकट से हमें यह मूल सबक लेना चाहिए। वैक्सीन बनाने से हम अर्थशास्त्र के उपयोगिता के सिद्धान्त में बदलाव नहीं करेंगे और पुनः संकट में पड़ेंगे। जरूरत है कि हम नया अर्थशास्त्र लिखें, जिसमें सुख को अचेतन से जोड़ें, न कि खपत से।

लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

आज के ट्वीट

पीड़ा

यह बड़ी विडंबना है कि देश के अन्नदाता किसान भूख हड़ताल पर बैठने के लिए मजबूर हैं क्योंकि सरकार उनकी पीड़ा को नहीं सुन रही। हमारे किसानों ने शांतिपूर्ण आंदोलन का उदाहरण पूरे देश के सामने प्रस्तुत किया है।सरकार को अपना अहंकार छोड़ना चाहिए और किसानों की समस्याओं का हल निकालना चाहिए।

-- मु. अशोक गहलोत

ज्ञान गंगा

ज्ञान

आचार्य रजनीश ओशो/ एक ज्ञान है, जो भर तो देता है मन को बहुत जानकारी से, लेकिन हृदय को शून्य नहीं करता। एक ज्ञान है, जो मन भरता नहीं, खाली करता है। हृदय को शून्य का मंदिर बनाता है। एक ज्ञान है, जो सीखने से मिलता है और एक ज्ञान है जो अनसीखने से मिलता है। जो सीखने से मिले, वह कूड़ा-करकट है। जो अनसीखने से मिले, वही मूल्यवान है। सीखने से वही सीखा जा सकता है, जो बाहर से डाला जाता है। अनसीखने से उसका जन्म होता है, जो तुम्हारे भीतर सदा से छिपा ही है। ज्ञान को अगर तुमने पाने की यात्रा बनाया, तो पंडित होकर समाप्त हो जाओगे। ज्ञान को अगर खोने की खोज बनाया, तो प्रज्ञा का जन्म होगा। पांडित्य तो बोझ है; उससे तुम मुक्त न होओगे। वह तो तुम्हें और भी बांधेगा। वह तो गले में लगी फांसी है, पैरों में पड़ी जंजीर है। पंडित तो कारागृह बन जाएगा तुम्हारे चारों तरफ। तुम उसके कारण अंधे हो जाओगे। तुम्हारे द्वारा दरवाजे बंद हो जाएंगे। क्योंकि जिसे भी यह भ्रम पैदा हो जाता है कि शब्दों को जानकर उसने जान लिया, उसका अज्ञान पत्थर की तरह मजबूत हो जाता है। तुम उस ज्ञान की तलाश करना जो शब्दों से नहीं मिलता, निःशब्द से मिलता है। जो सोचने विचारने से नहीं मिलता, निर्विचार होने से मिलता है। तुम उस ज्ञान को खोजना, जो शास्त्रों में नहीं है, स्वयं में है। वही ज्ञान तुम्हें मुक्त करेगा, वही ज्ञान तुम्हें एक नए नर्तन से भर देगा। वह तुम्हें जीवित करेगा, वह तुम्हें तुम्हारी कब्र के ऊपर बाहर उठाएगा। उससे ही आएंगे फूल जीवन के। और उससे ही अंततः परमात्मा का प्रकाश प्रगटेगा। पंडित जानता है और नहीं जानता। लगता है कि जानता है। ऐसे ही, जैसे बीमार आदमी बजाय औषधि लेने के, चिकित्साशास्त्र का अध्ययन करने लगे। जैसे भूखा आदमी पाकशास्त्र पढ़ने लगे। ऐसे सत्य की अगर भूख हो, तो भूल कर भी धर्मशास्त्र में मत उलझ जाना। वहां सत्य के संबंध में बहुत बातें कही गई हैं, लेकिन सत्य नहीं है। क्योंकि सत्य तो कब कहा जा सका है? कौन हुआ है समर्थ जो उसे कह सके? इसलिए गुरु ज्ञान नहीं देता, वस्तुतः तुम जो ज्ञान लेकर आते हो उसे छीन लेता है। गुरु तुम्हें बनाता नहीं, मिटाता है। तुम्हारी याददाश्त के संग्रह को बढ़ाता नहीं, तुम्हारी याददाश्त, तुमहारे संग्रह को खाली करता है। जब तुम पूरे खाली हो जाते हो, तो परमात्मा तुम्हें भर देता है। शून्य हो जाना पूर्ण को पाने का मार्ग है।

आज का राशिफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

समस्या के समाधान को कारगर पहल हो

अनूप भटनागर

केन्द्र सरकार भले ही देशवासियों पर जबरन परिवार नियोजन थोपने का विरोध कर रही है लेकिन देश की तेजी से बढ़ती आबादी और इस वजह से घटते संसाधन सरकार को देर सवेर जनसंख्या नियंत्रण के लिये प्रभावी कदम उठाने पर मजबूर कर देंगे। केन्द्र सरकार ने हाल ही में उच्चतम न्यायालय को सूचित किया है कि परिवार में बच्चों की संख्या के बारे में पति-पत्नी को ही निर्णय लेना होगा और सरकार नागरिकों को निश्चित संख्या में ही संतानोत्पत्ति के लिये बाध्य नहीं करेगी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक जनहित याचिका के जवाब में दाखिल हलफनामे में कहा है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य राज्य के अधिकार का विषय है और लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से बचाने के लिए राज्य सरकारों को इस क्षेत्र में सुधार की प्रक्रिया शुरू करनी होगी। जनसंख्या नियंत्रण के सवाल पर केन्द्र सरकार का यह हलफनामा आपातकाल के दौरान जबरन नसबंदी की घटनाओं से उत्पन्न स्थिति के मद्देनजर उसकी विवशता बयां कर रहा है। सरकार का यह दृष्टिकोण पहली नजर में तो बहुत मानवीय और सराहनीय लगता है लेकिन सवाल यह है कि अगर सरकार जनसंख्या नियंत्रण के लिये सकारात्मक और कारगर कदम नहीं उठायेगी तो देश में बढ़ती आबादी पर नियंत्रण कैसे पाया जायेगा? सरकार के इस दृष्टिकोण से संविधान में प्रदत्त समानता के अधिकार और संसाधनों के समान वितरण को लेकर एक नयी बहस का रास्ता खुल सकता है। देश में पहले से ही सीमित प्राकृतिक संसाधनों के तार्किक तरीके से वितरण को लेकर आवाजें उठ रही हैं। आने वाले समय में यह सवाल भी उठ सकता है कि जनसंख्या नियंत्रण नहीं होने की वजह से सभी परिवारों में सरकारी योजनाओं और संसाधनों का समान वितरण नहीं हो रहा है क्योंकि ज्यादा बच्चों वाले परिवारों को इनका अधिक लाभ मिल रहा है। कुछ समय पहले राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने बढ़ती जनसंख्या की वजह से कोरोना महामारी के संक्रमण से निपटने में आ रही दिक्कतों का जिक्र किया था। राष्ट्रपति का विचार था कि जनसंख्या वृद्धि पर अंकुश लगाने के लिये कारगर कदम उठाने की आवश्यकता है और ऐसा नहीं होने की स्थिति में हमारे देश में कोरोना जैसी आपदाओं के भीषण परिणाम हो सकते हैं। हमें यह ध्यान रखना होगा कि बढ़ती आबादी का मुद्दा किसी समुदाय विशेष से जुड़ी समस्या नहीं है। जनसंख्या की स्थिति का अगर अध्ययन किया जाये तो पता चलेगा कि शिक्षित वर्ग, भले ही वह किसी भी समुदाय का हो, लंबे समय से सीमित परिवार के सिद्धांत का पालन करता आ रहा है लेकिन दुर्भाग्य से जनसंख्या नियंत्रण का सवाल उठते ही राजनीतिक स्वार्थों की खातिर इसे सांप्रदायिक रंग देने का प्रयास होने लगता है। केन्द्र सरकार का कहना कि यह पति-पत्नी पर निर्भर करता है, वास्तव में जनसंख्या नियंत्रण के मामले में अपनी जिम्मेदारी से भागने का संकेत देते हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि देश में सत्तर के दशक से बढ़ती जनसंख्या एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। इस पर नियंत्रण पाने के इरादे से ही 'हम दो हमारे दो' और 'छोटा परिवार सुखी परिवार' जैसे कार्यक्रम शुरू किये गये थे लेकिन आपातकाल के दौरान जबरन नसबंदी की घटनाओं की वजह से इनके अपेक्षित नतीजे नहीं निकले। फिर एक विचार यह आया कि जनसंख्या नियंत्रण के बारे में जनता के बीच सकारात्मक संदेश पहुंचाने के लिये निर्वाचन प्रक्रिया से इसकी शुरुआत की जाये। अत- पंचायत स्तर के चुनावों में दो संतानों का फार्मूला लागू किया गया। इस समय हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और ओडिशा सहित कई राज्यों में पंचायत चुनावों के लिये यह फार्मूला लागू है। इस फार्मूले पर उच्चतम न्यायालय भी अपनी मुहर लगा चुका है। यही नहीं, असम सरकार ने अक्तूबर, 2019 में एक नीतिगत निर्णय लिया कि असम में एक जनवरी, 2021 से दो से अधिक संतान वालों को सरकारी नौकरियां नहीं दी जायेंगी। बहरहाल, 18वीं लोकसभा का गठन होने पर सत्तारूढ़ गठबंधन की ओर से देश में बढ़ती आबादी का मुद्दा उठाया गया था लेकिन मामला आगे नहीं बढ़ा। इसके बाद, राज्यसभा में कांग्रेस के सदस्य डा. अभिषेक मनु सिंघवी ने जनसंख्या नियंत्रण के लिये एक निजी विधेयक पेश करने की घोषणा करके सबको चौंका दिया। इसमें दो से अधिक संतान वाले दंपति को संसद, विधान मंडल और पंचायत चुनाव लड़ने या इसमें निर्वाचन के अयोग्य बनाने का प्रस्ताव है। खैर, उच्चतम न्यायालय में लंबित भाजपा नेता और अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय की जनहित याचिका पर देर सवेर फैसला आ जायेगा, उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार और राजनीतिक दल जनसंख्या पर नियंत्रण के लिये प्रभावी कदम उठाने में सहयोग करेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विस्ट्रॉन कंपनी में तोड़फोड़ करने के मामले में 7000 लोगों के खिलाफ FIR

बिजनेस डेस्क: ताइवान की कंपनी विस्ट्रॉन कॉरपोरेशन के कर्नाटक स्थित संयंत्र में हिंसा और तोड़फोड़ के लोकर 5000 अज्ञात संविदा कर्मियों सहित कुल 7000 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर में, कंपनी का कहना है कि 12 दिसंबर को हुई हिंसा के दौरान उसे 437.7 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। पुलिस ने कहा कि वेतन संबंधी मुद्दों पर शनिवार को हुई इस हिंसा में बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने कथित रूप से आगजनी, हिंसा और लूट की। इस दौरान कर्मचारियों ने इमारत, वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया और आग लगाई और मशीनों तथा कंप्यूटरों सहित महंगे उपकरणों को तोड़ा। कंपनी के कार्यकारी टी डी प्रशांत ने वेमगल पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई शिकायत में कहा था कि 412.4 करोड़ रुपए मूल्य के कार्यालय उपकरण, मोबाइल फोन, विनिर्माण मशीनरी और संबंधित उपकरण नष्ट हो गए। इसके अलावा उन्होंने आरोप लगाया कि करीब 10 करोड़ रुपए के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है, करीब 60 लाख रुपए की कार क्षतिग्रस्त हुई हैं और 1.5 करोड़ रुपए का सामान चोरी हुआ है या खो गया है। पुलिस ने अब तक 149 लोगों को गिरफ्तार किया है और कुछ अन्य लोगों को हिरासत में लिया है। इस बीच, विस्ट्रॉन इंडिया के प्रबंध निदेशक सुदीप्तो गुप्ता ने एक बयान में कहा कि कंपनी अपने नरसापुरा संयंत्र में हुई घटनाओं से गहरे सदमे में है। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री सी एन अश्वथ ने घटना की निंदा की है और कहा कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। विस्ट्रॉन के इस संयंत्र में अमेरिकी कंपनी एपल के आईफोन एसई 2020 का भी विनिर्माण होता है।

सीआईआई ने कहा, किसान आंदोलन से अर्थव्यवस्था का पुनरोद्धार प्रभावित होगा

नई दिल्ली: भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने कहा है कि किसानों के आंदोलन की वजह से आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो सकती है जिससे आने वाले दिनों में अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है। सीआईआई ने सोमवार को कहा कि किसानों के आंदोलन की वजह से अर्थव्यवस्था में मौजूदा पुनरोद्धार का सिलसिला भी प्रभावित हो सकता है। सीआईआई ने कहा, ''अर्थव्यवस्था को वृद्धि की राह पर लाने की चुनौती के बीच हम सभी अंशधारकों से आग्रह करते हैं कि वे मौजूदा विरोध-प्रदर्शन के बीच कोई रास्ता ढूंढे और आपसी सहमति के समाधान पर पहुंचें।'' पिछले कुछ सप्ताह के दौरान किसान आंदोलन काफी तेज हो गया है। इससे उत्तरी राज्यों मसलन दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा राजस्थान तथा कुछ अन्य राज्यों में विभिन्न नाकों या चौकियों पर यातायात बाधित हुआ है। सीआईआई ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी की वजह से लागू लॉकडाउन से आपूर्ति श्रृंखला पहले ही काफी बुरी तरह प्रभावित हुई है। अब आपूर्ति श्रृंखला में सुधार हो रहा था लेकिन किसान आंदोलन की वजह से यह फिर दबाव में आ गई है। उद्योग मंडल ने कहा कि सामान की करीब दो-तिहाई खेप को पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली-एनसीआर में अपने गंतव्यों पर पहुंचने में 50 प्रतिशत अतिरिक्त समय लग रहा है। इसके अलावा हरियाणा, उत्तराखंड और पंजाब के भंडारगृहों से परिवहन वाहनों को दिल्ली पहुंचने के लिए 50 प्रतिशत अधिक यात्रा करनी पड़ रही है। सीआईआई ने कहा कि इससे लॉजिस्टिक्स की लागत करीब 8 से 10 प्रतिशत बढ़ जाएगी। दिल्ली के आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों की कंपनियों के समक्ष श्रमबल का संकट पैदा हो गया है। सीआईआई उत्तरी क्षेत्र के चेयरमैन निखिल साहनी ने कहा, ''मौजूदा किसान आंदोलन का तत्काल हल निकलना चाहिए। इससे न केवल आर्थिक वृद्धि प्रभावित होगी बल्कि आपूर्ति श्रृंखला पर भी इसका असर पड़ रहा है। इससे बड़े और छोटे उद्योग समान रूप से प्रभावित हैं।''

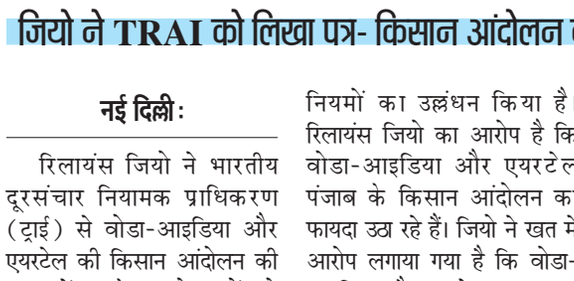

शेयर बाजार शुरुआती गिरावट से उबरे, मामूली लाभ के साथ सेंसेक्स, निफ्टी नए रिकॉर्ड स्तर पर

मुंबई: स्थानीय शेयर बाजार मंगलवार को शुरुआती गिरावट से उबर गए और मामूली बढ़त के साथ नए उच्चस्तर पर बंद हुए। एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी के शेयरों में तेजी से बाजार को समर्थन मिला। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 9.71 अंक यानी 0.02 प्रतिशत बढ़कर 46,263.17 अंक पर बंद हुआ। यह इसका नया रिकॉर्ड उच्च स्तर है। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 9.70 अंक यानी 0.05 प्रतिशत के लाभ से 13,567.85 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में बजाज फाइनेंस का शेयर सबसे अधिक करीब पांच प्रतिशत चढ़ गया। बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाटा स्टील के शेयर भी लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर हिंदुस्तान यूनिलीवर, नेस्ले इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एसबीआई, टीसीएस और आईटीसी के शेयरों में गिरावट रही। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के वृद्धि दर के अनुमान को पहले के मुकाबले बेहतर कर -7.7 प्रतिशत कर दिया है। पहले उसने भारतीय अर्थव्यवस्था में नौ प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया था। बढ़ती मांग और कोविड-19 संक्रमण के घटते मामलों के बीच एसएंडपी ने वृद्धि दर के अपने अनुमान में संशोधन किया है। इस बीच, नवंबर में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 6.93 प्रतिशत रह गई। हालांकि, यह अभी रिजर्व बैंक के संतोषजनक स्तर से ऊपर है। खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े सोमवार को बाजार बंद होने के बाद आए थे। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया आठ पैसे गिरकर 73.63 (अस्थायी) रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। शेयर बाजारों के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने सोमवार को शेयर बाजारों में शुद्ध रूप से 2,264.38 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। अन्य एशियाई बाजारों में चीन के शंघाई कम्पोजिट, दक्षिण कोरिया के कॉस्पी, हांगकांग के हैंगसेंग और जापान के निक्की में गिरावट रही।

जियो के साथ साझेदारी से छोटे व्यवसायों को मिलेगी मदद : जुकरबर्ग

नई दिल्ली। Facebook के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने मंगलवार को कहा है कि जियो प्लेटफॉर्म्स के साथ उनकी साझेदारी का लाभ भारत में लाखें की संख्या में छोटे व्यवसायों को मिलेगा। Facebook फ्यूल फॉर इंडिया 2020 इवेंट्स में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी के साथ हुई बातचीत के दौरान जुकरबर्ग ने अपनी यह बात रखी। जुकरबर्ग ने कहा, Facebook पर हम छोटे व्यवसायों की सेवा करने के व्यवसाय से जुड़े हैं और इसके लिए भारत से बेहतर और कोई विकल्प नहीं हो सकता। उन्होंने आगे कहा, छोटे कारोबार की संख्या छह करोड़ से ज्यादा है और इन पर रोजीरोटी के लिए लाखों की संख्या में लोग निर्भर रहते हैं। जियो के साथ हमारी इस साझेदारी में छोटे व्यवसायों की मदद को काफी अहम माना जाएगा। इस साल अप्रैल में Facebook ने 9.99 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ जियो प्लेटाफॉर्म्स में 43,574 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की थी। जुकरबर्ग ने कहा था कि अर्थव्यवस्था पर ष्टश1द्बस्र-19 के प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए छोटे कारोबारियों की मदद करना काफी जरूरी हो गया है।

किसानों के आंदोलन से रोजाना 3,500 करोड़ रुपए का नुकसान- एसोचैम

बिजनेस डेस्क: उद्योग मंडल एसोचैम ने मंगलवार को कहा कि किसानों के आंदोलन की वजह से पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को 'बड़ी चोट' पहुंच रही है। एसोचैम ने केंद्र और किसान संगठनों से नए कृषि कानूनों को लेकर जारी गतिरोध को जल्द दूर करने का आग्रह किया है। उद्योग मंडल के मोटे-मोटे अनुमान के अनुसार किसानों के आंदोलन की वजह से क्षेत्र की मूल्य श्रृंखला और परिवहन प्रभावित हुआ है, जिससे रोजाना 3,000-3,500 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है। एसोचैम के अध्यक्ष निरंजन हीरानंदानी ने कहा, ''पंजाब, हरियाणा, हिमाचाल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्थाओं का सामूहिक आकार करीब 18 लाख करोड़ रुपये है। किसानों के विरोध-प्रदर्शन, सड़क, टोल प्लाजा और रेल सेवाएं बंद होने से आर्थिक गतिविधियां ठहर गई हैं।'' इससे पहले भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने सोमवार को कहा था कि किसान आंदोलन की वजह से आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई। आगामी दिनों में अर्थव्यवस्था पर इसका असर दिखेगा। इससे अर्थव्यवस्था का पुनरोद्धार भी प्रभावित हो सकता है। हीरानंदानी ने कहा कि कपड़ा, वाहन कलपुर्जा, साइकिल, खेल का सामान जैसे उद्योग क्रिसमस से पहले अपने निर्यात ऑर्डरों को पूरा नहीं कर पाएंगे जिससे वैश्विक कंपनियों के बीच उनकी छवि प्रभावित होगी।

जुकरबर्ग से बोले मुकेश अंबानी- अगले 20 साल में भारत दुनिया की टॉप 3 अर्थव्यवस्थाओं में होगा

बिजनेस डेस्क:

देश के सबसे धनी व्यक्ति मुकेश अंबानी ने मंगलवार को कहा कि भारत अगले दो दशकों में दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में एक होगा और इस दौरान प्रति व्यक्ति आय दोगुनी से अधिक हो जाएगी। उन्होंने फेसबुक के प्रमुख मार्क जुकरबर्ग के साथ एक बातचीत में कहा कि भारत का मध्यवर्ग, जो देश के कुल परिवारों का करीब 50 प्रतिशत है, प्रति वर्ष तीन से चार प्रतिशत की दर से बढ़ेगा। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्रमुख अंबानी ने कहा, ''मेरा मानना है कि अगले दो दशकों में भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में होगा।'' उन्होंने कहा कि इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि देश एक प्रमुख डिजिटल समाज बन जाएगा, जिसे युवा चलाएंगे। उन्होंने कहा, ''और हमारी प्रति व्यक्ति आय 1,800-2,000 अमरीकी डॉलर से बढ़कर 5,000 अमरीकी डॉलर हो जाएगी।'' मुकेश अंबानी ने कहा कि जियो और फेसबुक दोनों मिलकर वैल्यू एडेड क्रिएटर बन सकते हैं। व्हाट्सऐप के करोड़ों सब्सक्राइबर हैं, जियो के करोड़ों ग्राहक हैं।

मार्क ने भारत और PM मोदी की तारीफ की

मार्क जुकरबर्ग ने भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की है। जुकरबर्ग ने कहा कि उनके लिए भारत काफी खास और अहम देश है। कंपनी के लिए भारत की अहमियत को इस बात से समझा जा सकता है कि हम अपने कई नए फीचर को पहले भारत में इस्तेमाल करते हैं और फिर इन्हें दुनिया में लॉन्च करते हैं। जुकरबर्ग ने कहा कि भारत कई प्रतिभाशाली लोग रहते हैं। भारत और कैलनिफोर्निया में कंपनी के हेडक्वार्टर में कई लोग कई भारतीयों को मैं जानता हूं जो बहुत प्रतिभावान हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि उनके डिजिटल इंडिया विजन ने इंडस्ट्री के लिए सरकार के साथ पार्टनरशिप के अवसर खोले हैं। भारत में हर नागरिक को डिजिटली और फाइनेंशियली सशक्त बनाने के लिए काफी काम हो रहा है। यहां जो फैसले लिए जाते हैं, उनकी पूरी दुनिया में चर्चा होती है।

क्या कहा मुकेश ने

मुकेश अंबानी ने कहा कि जियो मार्ट रिटेल अवसरों को भुनाकर हमारे छोटे शहरों कस्बों के छोटे दुकानदारों को जोड़ेगा और इससे लाखों नए रोजगार पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि जियो देश के सभी स्कूलों को जोड़ने की कोशिश कर रहा है। इसी तरह हेल्थकेयर के क्षेत्र में हम सभी अथॉरिटी के साथ मिलकर उन्हें टेक्नोलॉजी टूल मुहैया कराने की कोशिश कर रहे हैं। मुकेश अंबानी ने कहा, 'जियो से डिजिटल कनेक्टिविटी आई। अब वॉट्सऐप पे से डिजिट इंटरएक्टिविटी बढ़ेगी और हम क्लोज ट्रांजैक्शन एवं वैल्यू क्रिएशन की तरफ बढ़ पाएंगे। जियोमार्ट ने असीम ऑनलाइन और ऑफलाइन अवसर प्रदान किए हैं जिससे हमारे देश के छोटे दुकानदारों को डिजिटाइज होने का मौका मिला है।' उन्होंने कहा कि जियो ने फ्री वायस सेवाएं देने की अगुवाई की है। हमें इस पर गर्व है कि जियो अपने नेटवर्क से फ्री वायस सेवाएं देने में सक्षम रहा है।

जियो प्लेटफार्म्स में हिस्सेदारी

गौरतलब है कि रिलायंस जियो प्लेटफार्म्स को फेसबुक से कंपनी में 9.99 फीसदी हिस्सेदारी के लिए 43,574 करोड़ रुपए मिले हैं। कंपनी की सब्सिडियरी जियो प्लेटफार्म्स लिमिटेड को फेसबुक की पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी जाधू होल्डिंग्स, एलएलसी (Jaadhu Holdings) से 43,574 करोड़ रुपए की राशि मिली है। फेसबुक ने जियो प्लेटफार्म्स में 4.62 लाख करोड़ रुपए के एंटरप्राइज वैल्यू पर 9.99 फीसदी हिस्सेदारी ली है।

पीयूष गोयल ने कहा- दुनिया में सबसे आकर्षक FDI नीति भारत की, लगातार बढ़ रहा है निवेश

बिजनेस डेस्क:

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि देश में विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने वाली नीतियों के चलते प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अप्रैल-सितंबर 2020 के दौरान एफडीआई 13 प्रतिशत बढ़कर लगभग 40 अरब अमरीकी डॉलर हो गया।

FDI नीति दुनिया में सबसे सुविधाजनक

उन्होंने सीआईआई के 'पार्टनरशिप समिट 2020' में कहा, ''भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है। इस साल के पहले नौ महीनों में कोविड-19 महामारी के बाजवूद हमारा एफडीआई बढ़ा है और आज हमारी एफडीआई नीति दुनिया में सबसे सुविधाजनक और अनुकूल नीतियों में एक है।'' गोयल ने कहा कि लगभग सभी क्षेत्रों में स्वचालित मार्ग के जरिए 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति दी गई है।

भारत में कई क्षेत्रों में अपार अवसर

दूरसंचार, मीडिया, दवा और बीमा जैसे कुछ क्षेत्रों में विदेशी निवेशकों को निवेश के लिए सरकार की मंजूरी जरूरी है। इसके अलावा नौ ऐसे क्षेत्र हैं, जहां एफडीआई प्रतिबंधित है। ये क्षेत्र हैं- लॉटरी व्यवसाय, जुआ और सट्टेबाजी, चिट फंड, निधि कंपनी, रियल एस्टेट और तंबाकू-सिगरेट का कारोबार। गोयल ने कहा कि भारत में कई क्षेत्रों में अपार अवसर हैं और इसके साथ ही उन्होंने निवेशकों को भारत में आमंत्रित किया। उन्होंने कहा, ''भारत अवसरों की भूमि है। मैं आपको विकास, वृद्धि और समृद्धि की बस में सवार होने के लिए आमंत्रित करता हूं, हम आपका स्वागत खुले हाथों और रेड कॉरपेट के साथ करेंगे और अवसरों की इस भूमि में आपकी यात्रा के दौरान हम आपको पूरी सहायता, साझेदारी और सहभागिता का भरोसा देते हैं।''

एयर इंडिया के लिए कांति कमर्शियल्स ने दिया ईओआई

नई दिल्ली। दिल्ली की एक कंपनी कांति कमर्शियल्स फ्रैगमेंट निवेश और एनॉर्मस निवेश के साथ एक कंसोर्टियम का नेतृत्व कर रही है, जिसने एयर इंडिया खरीदने की इच्छा जताई है। इसी को लेकर कंसोर्टियम ने एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) दिया है। एयर इंडिया के लिए अपनी रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) में, कांति कमर्शियल्स ने कहा, हम एयर इंडिया के विनिवेश कार्यक्रम के लिए बोली लगाने के योग्य हैं और बीमार औद्योगिक उद्यमों को मुनाफे में बदलने में सक्षम हैं। ईओआई के मुताबिक, पिछले कई वर्षों से, हमने कई ऐसे अधिग्रहण किए हैं और बड़ी सफलता हासिल की है। हम पेशेवर सलाहकारों और विशेषज्ञों की एक टीम के संपर्क में हैं जो बीमार इकाइयों को लाभकारी बनाने में मदद कर सकते हैं। कांति कमर्शियल्स के डायरेक्टर सौरभ बाग ने कहा, इसके अलावा, हम एक स्पेशल परपस व्हीकल (एसपीवी) की मदद से 3 सदस्यों के ग्रुप के रूप में बोली लगा रहे हैं। प्रमुख सदस्य कांति कमर्शियल हैं और अन्य सदस्य फ्रैगमेंट निवेश और एनॉर्मस निवेश हैं। कांति कमर्शियल्स प्राइवेट लिमिटेड 1 अप्रैल 2003 से एक निजी कंपनी है। इसे गैर-सरकारी कंपनी के रूप में पंजीकृत किया गया है और यह रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज, दिल्ली में पंजीकृत है।

टैक्स रेट में हो कटौती, हाउसिंग को मिले बूस्ट- प्री-बजट मीटिंग में उद्योग जगत ने दिए अहम सुझाव

बिजनेस डेस्क:

भारतीय उद्योग जगत ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से आर्थिक वृद्धि की रफ्तार बढ़ाने के लिए अगले बजट में नए राजकोषीय प्रोत्साहन समेत और अनुकूल कदम उठाने का आग्रह किया है। कोरोना वायरस महामारी की वजह से अर्थव्यवस्था पर पड़े प्रतिकूल प्रभाव के बीच यह मांग की गई है। वित्त मंत्री के साथ डिजिटल तरीके से आयोजित बजट-पूर्व बैठक में उद्योग जगत ने व्यक्तिगत प्रत्यक्ष कर की दरों में कमी लाने, आवास क्षेत्र के लिए और प्रोत्साहन तथा जीएसटी (माल एवं सेवा कर) को और युक्तिसंगत बनाने का भी सुझाव दिया।

फिक्की ने बजट को लेकर की सिफारिशें

उद्योग मंडलों ने ढांचागत क्षेत्र में निवेश बढ़ाने, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के निजीकरण और अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के लिए अधिक कर प्रोत्साहन देने की भी वकालत की। उद्योग मंडल फिक्की ने बजट को लेकर अपनी सिफारिशों में कहा, ''अर्थव्यवस्था तेजी से पटरी पर आ रही है और इस गति को बनाए रखने की जरूरत है। सरकार के त्वरित और समय पर उठाए गए कदमों के कारण यह तेजी संभव हो पाई है। अगले साल के बजट में वृद्धि उन्मुख उपायों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए और राजकोषीय मामलों पर उसके बाद गौर करना चाहिए। राजकोषीय प्रोत्साहन की जरूरत अभी बनी हुई है।''

निजी निवेश को बढ़ावा मिले

सीआईआई के अध्यक्ष उदय कोटक ने कहा, ''सरकार का व्यय तीन क्षेत्रों बुनियादी ढांचा, स्वास्थ्य और सतत विकास में प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए। बजट में दो मसलों के समाधान पर गौर करना चाहिए। उसमें एक निजी निवेश को बढ़ावा देना और रोजगार सृजन को समर्थन देना शामिल हैं।'' कोटक ने वित्तीय क्षेत्र में सुधार की तत्काल जरूरत भी बताई।

उन्होंने कहा कि 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हासिल करना बहुत हद तक वित्तीय क्षेत्र की मजबूती पर निर्भर है और सरकार को भारतीय स्टैट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और यूनियन बैंक जैसे 3-4 बड़े बैंकों को छोड़कर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में अपनी हिस्सेदारी अगले 12 महीनों में बाजार के रास्ते 50 प्रतिशत से नीचे लानी चाहिए।

जियो ने TRAI को लिखा पत्र- किसान आंदोलन की आड़ में झूठा प्रचार कर रहीं एयरटेल, वोडा-आइडिया

नई दिल्ली:

रिलायंस जियो ने भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) से वोडा-आइडिया और एयरटेल की किसान आंदोलन की आड़ में उसके उपभोक्ताओं को अनैतिक तरीके से अपनी ओर खींचने और उसकी छवि शिकायत की है। ट्राई सचिव एस के गुप्ता को लिखे पत्र में रिलायंस जियो ने वोडा-आइडिया और एयरटेल को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा है कि दोनों कंपनियों ने प्राधिकरण के नियमों का उल्लंधन किया है। रिलायंस जियो का आरोप है कि वोडा-आइडिया और एयरटेल पंजाब के किसान आंदोलन का फायदा उठा रहे हैं। जियो ने खत में आरोप लगाया गया है कि वोडा-आइडिया और एयरटेल उत्तर भारत के विभिन्न हिस्सों में ग्राहकों को अपनी तरफ खींचने के लिए अनैतिक रास्ते अपना रहें हैं। किसान आंदोलन से उपजे आक्रोश का फायदा उठाने के लिए यह कंपनियां झूठे प्रचार का सहारा ले रही हैं। रिलायंस जियो का कहना है कि 28 सितंबर को भी उसने ट्राई को लिखे एक पत्र में आपत्ति दर्ज कराई थी, पर इसके बावजूद दोनों कंपनियां कानून को ढेंगा दिखा कर अपने नकारात्मक प्रचार पर कायम हैं। पत्र में आरोप लगाया गया है कि यह दोनों प्रतिद्वंदी कंपनियां अपने कर्मचारियों, एजेंट्स और रिटेलर्स के जरिए रिलायंस के विरूद्ध नकारात्मक अभियान चला रही हैं। ग्राहकों को गलत तरीके से ललचा कर रिलायंस जियो से पोर्ट कराने की कोशिशों का भी जियो ने विरोध किया है। एयरटेल और वोडा-आइडिया ग्राहकों को किस तरह गुमराह कर रहे हैं इसके फोटो और वीडियो सूबूत भी रिलायंस जियो ने ट्राई को सौंपे हैं। वोडा-आइडिया और एयरटेल अपने को किसानों का हितैषी और रिलायंस जियो को किसान विरोधी बता कर आंदोलन को हवा देने का काम कर रहीं है। रिलायंस जियो ने आरोप लगाया है कि दोनों कंपनियां पूरे देश में जियो के विरूद्ध झूठा प्रचार करने में लगी हैं। इससे रिलायंस जियो की छवि को नुकसान पहुंच रहा है।

इकॉनमी के लिए अच्छी खबर, रेटिंग एजेंसी S&P ने भारत के वृद्धि अनुमान में किया सुधार

बिजनेस डेस्क:

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर ऋणात्मक 9 प्रतिशत से ऋणात्मक 7.7 प्रतिशत कर दिया। रेटिंग एजेंसी ने अर्थव्यवस्था में बढ़ती मांग और कोविड-19 संक्रमण दर में कमी के चलते अपने अनुमान को संशोधित किया है। एसएंडपी ने एक बयान में कहा, ''बढ़ती मांग और गिरती संक्रमण दरों ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोविड के प्रकोप के हमारे अनुमान को बदल दिया है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग ने मार्च 2021 में समाप्त होने वाली वित्त वर्ष के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि को नकारात्मक नौ प्रतिशत से संशोधित करते हुए नकारात्मक 7.7 प्रतिशत कर दिया है।'' अमेरिका स्थित रेटिंग एजेंसी ने कहा कि सितंबर तिमाही में उम्मीद से अधिक तेजी से सुधार होने के कारण वृद्धि पूर्वानुमान में बदलाव किया गया है। रेटिंग एजेंसी ने अगले वित्त वर्ष में वृद्धि दर के 10 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। भारत का सकल घरेलू उत्पाद जुलाई-सितंबर तिमाही में 7.5 प्रतिशत घट गया था, जो जबकि इससे पहले अप्रैल-जून तिमाही में यह गिरावट 23.9 प्रतिशत थी। एसएंडपी ने कहा कि भारत वायरस से जीना सीख रहा है और संक्रमण के मामलों में कमी आई है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग एशिया-प्रशांत ने मुख्य अर्थशास्त्री शॉन रोचे ने कहा, ''एशिया-प्रशांत की ज्यादातर अर्थव्यवस्थाओं की तर्ज पर भारत में भी विनिर्माण क्षेत्र में तेजी से सुधार हो रहा है।''

DHFL के लिए अमेरिका की कंपनी ओकट्री ने लगाई सबसे ऊंची बोली

नई दिल्ली:

अमेरिका की कंपनी ओकट्री ने कर्ज के बोझ से दबी दीवान हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (DHFL) के लिए सबसे ऊंची बोली लगाई है। डीएचएफएल फिलहाल दिवाला प्रक्रिया में है। डीएचएफएल के अधिग्रहण के लिए नए सिरे से बोलियां मांगी गई थीं। पीरामल एंटरप्राइजेज और अडानी ग्रुप को पीछे छोड़ते हुए ओकट्री ने सबसे ऊंची बोली लगाई है। ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) ने संशोधित बोलियां देने के लिए 14 दिसंबर की समयसीमा तय की थी। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि ओकट्री ने अपनी बोली को बढ़ाकर 36,646 करोड़ रुपए कर दिया है। इसमें 1,000 करोड़ रुपए बीमा के और 3,000 करोड़ रुपये अर्जित ब्याज के शामिल हैं। वहीं पीरामल एंटरप्राइजेज ने 35,550 करोड़ रुपए की बोली लगाई है। इसमें 300 करोड़ रुपए बीमा और 3,000 करोड़ रुपए अर्जित ब्याज के हैं। सूत्रों ने बताया कि ओकट्री ने डीएचएफएल के लिए सशर्त पेशकश की है।

अडानी ने कितने की बोली लगाई

वहीं अडानी समूह ने अपनी बोली को बढ़ाकर 33,100 करोड़ रुपए किया है। इसमें 250 करोड़ रुपए बीमा के और 3,000 करोड़ रुपए अर्जित ब्याज के हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले साल नवंबर में दीवान हाउसिंग फाइनेंस लि. (डीएचएफएल) को दिवाला प्रक्रिया के लिए राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के पास भेजा था। डीएचएफएल पहली वित्तीय कंपनी है जिसे रिजर्व बैंक ने धारा 227 में विशेष अधिकारों के तहत एनसीएलटी के पास भेजा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

गावस्कर के लिए मयंक और लाबुशैन सीरीज में होंगे अहम

एडिलेड । भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि वह भारत और आस्ट्रेलिया के बीच होने वाली टेस्ट सीरीज में मयंक अग्रवाल के प्रदर्शन पर ध्यान देंगे। उन्होंने कहा कि पदार्पण के बाद से मयंक ने काफी सुधार दिखाया है और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया है। गावस्कर ने कहा, ÷ मेरे लिए मयंक अग्रवाल को देखना अहम होगा क्योंकि दो साल पहले उन्होंने आस्ट्रेलिया के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी की थी। उन्होंने एक रास्ता दिखाया है। तब से भारत को अच्छी शुरूआत तो नहीं मिली है लेकिन मयंक अग्रवाल ने काफी बेहतरीन बैटिंग की है। उन्होंने ये दिखाया है कि नाथन लॉयन को कैसे टैकल किया जाए। कदमों का इस्तेमाल करते हुए उन्होंने लॉयन के खिलाफ सीधा शॉट खेला। उनके अंदर युवा ताजगी थी और तब से लेकर अब तक वो बेहतर ही हुए हैं।'गावस्कर ने साथ ही कहा कि वह मार्नस लाबुशैन को आस्ट्रेलिया के लिए नंबर-तीन पर बल्लेबाजी करते हुए योगदन दे रहे हैं। उन्होंने कहा, 'आस्ट्रेलिया की तरफ से मैं मार्नस लैबुशेन को देखना चाहुंगा। जब सचिन तेंदुलकर कहते हैं कि लैबुशेन उन्हें खुद की याद दिलाते हैं तो ये ना केवल भारत बल्कि विश्व के गेंदबाजों के लिए अच्छी खबर नहीं है। मैं उनको देखने के लिए उत्साहित हूं।'

आईएसएल-7

गोवा के खिलाफ जीत होगा एटीके मोहन बागान का लक्ष्य

फातोर्दा (गोवा) ।

एटीके मोहन बागान ने हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन की धमाकेदार शुरुआत की थी लेकिन अब लगातार दो मैचों में जीत नहीं मिल पाने के कारण वह टॉप से हट गई है। ऐसे में जबकि बुधवार को उसे एफसी गोवा से भिड़ना है तो वह एक बार फिर जीत की पटरी पर लौटते हुए शीर्ष स्थान पाना चाहेगी। जहां तक अंक तालिका की बात है तो एटीके मोहन बागान पांच मैचों से 10 अंक लेकर 11 टीमों की तालिका में तीसरे स्थान पर है जबकि एफसी गोवा आठ अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है। गोवा की टीम लय में लौटने लगी है और यह बात एटीके मोहन बागान के लिए मुश्किल का सबब बन सकती है। एटीके मोहन बागान और गोवा के बीच का मुकाबला सिर्फ आईएसएल की दो मजबूत टीमों का मुकाबला नहीं होगा बल्कि यह लीग के दो सबसे काबिल कोचों की भी रणनीतिक कुशलता का इम्तहान होगा। एटीके मोहन बागान के कोच एंटोनियो हाबास पजेशन फुटबाल पर यकीन नहीं करते। उनकी टीम काउंटर अटैकिंग पर यकीन करती है यही कारण है कि बॉल पजेशन के मामले में कोलकाता की यह टीम तीसरे स्थान पर है। गोवा के कोच जुआन फेरांडो का फिलोसॉफी इससे बिल्कुल अलग है। गौर्स नाम से मशहूर यह टीम बाल पजेशन के मामले में अव्वल है और 59 फीसदी शेयर के साथ लीग में सबसे आगे है। एटीके मोहन बागान के लिए चिंता की बात यह है कि उसके दो अहम खिलाड़ी जावी हर्नांदिज और टिरी चोटिल हैं। इससे टीम का संतुलन खराब हुआ है। कोच हाबास ने भी इसे स्वीकार किया है। हैदराबाद के साथ हुए मैच के बाद हाबास ने कहा था, हमें इस सीजन में अभी काफी लम्बा रास्ता तय करना है। निश्चित तौर पर हम हारना नहीं चाहते लेकिन चोट के कारण हमें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को होने वाले इस मुकाबले के माध्यम से गोवा के स्ट्राइकर इगोर एंगुलो अपनी गोलों की संख्या में इजाफा करना चाहेंगे जबकि एटीके मोहन बागान के लिए रॉय कृष्णा अपने काउंटर अटैक्स के जरिए अपनी टीम के लिए तीन अंक हासिल करना चाहेंगे। फिजी का यह खिलाड़ी अब तक इस सीजन में चार गोल कर चुका है जबकि उनकी टीम ने कुल छह गोल किए हैं। अहम बात यह है कि सभी गोल दूसरे हाफ में हुए हैं। कोच फेरांडो को बता है कि उनकी टीम के खिलाफ भी ब्रेक के बाद कई गोल हुए हैं और इसीलिए उसे खासतौर पर कृष्णा से सावधान रहने की जरूरत है। कोच ने कहा, हम न सिर्फ कृष्णा बल्कि एक अच्छी टीम के खिलाफ खेलेंगे। ऐसे में हमारे पास एक प्लान होना ही चाहिए। हमें खेल के हर डिटेल पर पूरे 90 मिनट तक ध्यान देना होगा क्योंकि एटीके मोहन बागान पूरे 90 मिनट जमकर मेहनत करती है।

बालोन डीओर ड्रीम टीम में मेसी, रोनाल्डो और माराडोना शामिल

Paris। France फुटबाल द्वारा सर्वकालिक महान फुटबाल टीम-बालोन डीओर ड्रीम टीम में लियोनेल मेसी, क्रिस्टीयानो रोनाल्डो और मरहूम डिएगो माराडोना को शामिल किया गया है। साप्ताहिक पत्रिका **France** फुटबाल ने कोरोना के कारण अपना वार्षिक बालोन डीओर अवार्ड रद्द कर दिया है। इसकी जगह उसने सर्वकालिक महान एकादश चुनी है। इसके लिए 170 देशों और क्षेत्रों के पत्रकारों ने मतदान किया है। इस टीम में ब्राजील के महान फुटबालर पेले, माराडोना, गोलकीपर लेव याशिन, डिफेंडर काफू, फ्रांज बेकेनबर और पाउलो माल्दीनी और मिडफील्डर के तौर पर जावी और लोथार मैथ्यूज को शामिल किया गया है। रिकार्ड छह बार बालोन डीओर पुरस्कार जीतने वाले मेसी और पांच बार फुटबाल का यह सबसे बड़ा व्यक्तिगत खिताब हासिल करने वाले रोनाल्डो ने इस टीम में जगह पाने पर खुशी जाहिर की है। सर्वकालिक महान बालोन डीओर ड्रीम टीम इस प्रकार है ÷ क्रिस्टीयानो रोनाल्डो, लियोनेल मेसी, पेले, डिएगो माराडोना, लेव याशिन, काफू, फ्रांज बेकेनबर, पाउलो माल्दीनी, जावी, लोथार मैथ्यूज और रोनाल्डो नजारियो।

दुबई इंड्योरेंस कार्टिंग चैम्पियनशिप में आशी ने हासिल किए 2 पोडियम फिनिश

दुबई। मुम्बई की उभरती हुई कार्टिंग रेसिंग स्टार आशी हंसपाल ने 24 आवर दुबई इंड्योरेंस कार्टिंग चैम्पियनशिप में हिस्सा लेते हुए एक कीर्तिमान स्थापित किया। साथ ही आशी ने अपने साथियों के साथ ओवरऑप चैम्पियनशिप में दो पोडियम फिनिश भी किए। आशी इस सप्ताहांत दुबई के मोटरसिटी में आयोजित वर्ल्ड सीरीज में हिस्सा लेने वाली पहली भारतीय हैं। अर्जुन मंजूनाथ (बैंगलोर), रचित सिंघल (दिल्ली), जेमी (मुंबई), आदित्य स्वामीनाथन (बैंगलोर) और आशी को लेकर बनी अखिल भारतीय टीम ने ओवरऑल चैंपियनशिप में दूसरा स्थान हासिल किया और साथ ही नेशंस कप में पहला स्थान हासिल किया। । 2019 में एफएमएससीआई द्वारा मोटरस्पोर्ट्स अवार्ड में उत्कृष्ट महिला पुरस्कार के लिए चुनी गई आशी इस साल की शुरूआत में फ्रांस में एफआईए गर्ल्स ऑन ट्रैक राइजिंग स्टार्स में हिस्सा लेने वाली एकमात्र भारतीय लड़की बन गई थीं।

कोहली की अनुपस्थिति में भारतीयों के पास अपने खेल को ऊपर उठाने का मौका : गावस्कर

नई दिल्ली ।

दुनिया के दो दिग्गज बल्लेबाजों-सुनील गावस्कर और एलन बॉर्डर का मानना है कि आगामी टेस्ट सीरीज के अंतिम तीन मैचों से भारतीय कप्तान विराट कोहली के अनुपस्थित रहने से आस्ट्रेलिया को बहुत बड़ा फायदा होगा। कोहली आस्ट्रेलिया के खिलाफ 12 टेस्ट मैचों में छह शतक और तीन अर्धशतक लगा चुके हैं। गावस्कर ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, मुझे लगता है कि इससे आस्ट्रेलियाई टीम को बहुत बड़ा फायदा होगा क्योंकि वह ऐसे खिलाड़ी है, जिन्होंने आस्ट्रेलिया में 12 टेस्ट में छह शतक जमाए हैं। अंतिम तीन टेस्ट मैचों में कोहली को गेंदबाजी करना, आस्ट्रेलियाई टीम के लिए बहुत बड़ी राहत होगी। पहला टेस्ट 17 दिसंबर से एडिलेड में दिन-रात में खेला जाएगा। इसके बाद कोहली अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए स्वदेश लौट लेंगे और बाकी के तीन मैचों में उप-कप्तान अजिंक्य रहाणे टीम की कप्तानी करेंगे।गावस्कर के साथ साथ बॉर्डर ने भी कहा कि 32 वर्षीय कोहली की अनुपस्थिति से भारतीय लाइन-अप में बहुत बड़ा गैप आ जाएगा। बॉर्डर ने कहा, मैं उनसे सहमत हूं। उस लाइन-अप में एक बहुत बड़ा गैप होगा। मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम वास्तव में इसका फायदा उठाएगी क्योंकि उन्हें बाकी तीन टेस्ट में कोहली को गेंदबाजी करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। गावस्कर ने हालांकि साथ ही कहा कि कोहली की गैर मौजूदगी के बिना भी भारत प्रतिस्पर्धा कर सकता है, जैसा कि उसने पहले भी किया है और उनके बिना मैच जीता है। पूर्व कप्तान ने कहा, जहां तक भारतीयों का सवाल है, तो हर बार जब कोहली नहीं खेलते, भारत जीता है। वह धर्मशाला टेस्ट (ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ) नहीं खेले। उनका कंधा चोटिल था। उस मैच में (अजिंक्य) रहाणे ने कप्तानी की और भारत जीता। वह अफगानिस्तान के खिलाफ भी टेस्ट में नहीं खेल थे, जोकि उनका पदार्पण टेस्ट होता। क्योंकि वह काउंटी क्रिकेट खेलना चाहते थे और उन्हें टेस्ट के लिए नहीं चुना गया। भारत ने वह टेस्ट भी जीता। तब भारत ने एशिया कप और निदास ट्रॉफी भी कोहली के बिना ही जीती।उन्होंने कहा, कोहली की गैर मौजूदगी में अन्य भारतीयों के पास अपने खेल को ऊपर उठाने का मौका होगा। जैसा मैंने कहा कि हालांकि यह ऑस्ट्रेलिया के लिए बहुत बड़ा फायदा देगा। भारतीयों के लिए उनके खेल को ऊपर उठाने का मौका होगा।

संक्षिप्त समाचार

छह छक्के मारने के कारनामे को दोहराना चाहता हूं : युवराज

मुंबई, महाराष्ट्र। युवराज 24 दिसंबर से शुरू हो रहे अल्टीमेट क्रिकेट चैलेंज (यूकेसी) में यह कारनामा दोबारा करना चाहते हैं। यूकेसी का पहला सत्र अनूठे स्टाइल में होगा जिसमें दुनिया के छह दिग्गज क्रिकेटर एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगे। यूकेसी में युवराज सिंह के अलावा, वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और आंद्रे रसल, इंग्लैंड के केविन पीटरसन, इंग्लैंड के इयोन मोर्गन तथा अफगानिस्तान के राशिद खान हिस्सा लेंगे। इस क्रिकेट प्रतियोगिता में स्टार क्रिकेटर एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगे और खुद को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर साबित करने की कोशिश करेंगे। क्रिकेट के इस नये प्रारूप का स्वागत करते हुए युवराज ने कहा कि यूकेसी क्रिकेट का भविष्य है और यह प्रशंसकों के बीच काफी लोकप्रिय होगा। पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर ने कहा, 'क्रिकेट प्रत्येक भारतीय प्रशंसक के दिल में बसा हुआ है, लेकिन समय के साथ-साथ इसमें कुछ नयापन लाना आवश्यक है। यह नया प्रारूप काफी शानदार है। यही क्रिकेट है जिसमें एक खिलाड़ी का मुकाबला दूसरे खिलाड़ी से होगा। युवराज ने कहा, 'यह बेहद उत्सुकता से भरा हुआ है और यही क्रिकेट का भविष्य है। मुझे विश्वास है कि यह दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय होगा। मैं विश्व की किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हूं और उम्मीद करता हूं कि यूकेसी में 2007 के टी-20 विश्व कप टूर्नामेंट में एक ओवर में छह छक्के मारने के कारनामे को दोहरा पाऊंगा। यूकेसी में 15-15 गेंदों की चार पारियां खेली जायेंगी जिसमें प्रत्येक दिग्गज क्रिकेटर एक-दूसरे का सामना करेंगे। यूकेसी का आयोजन 24 दिसंबर से एक जनवरी तक संयुक्त अरब अमीरात के दुबई शहर में किया जायेगा।

डिस्क्लेमर : यह आर्टिकल न्यूज एजेंसी फीड के आधार पर प्रकाशित किया गया है। इसमें राज एक्सप्रेस द्वारा कोई संशोधन नहीं किया गया है।

सनराइजर्स हैदराबाद के क्रिकेट निदेशक बने टॉम मूडी

नयी दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर टॉम मूडी की आईपीएल टीम सनराइजर्स हैदराबाद के टीम मैनेजमेंट में वापसी हुई है और उन्हें टीम का क्रिकेट निदेशक नियुक्त किया गया है। मूडी इससे पहले सात साल तक हैदराबाद टीम के मुख्य कोच रहे थे लेकिन 2020 में उन्हें हटाकर इंग्लैंड को विश्व विजेता बनाने वाले कोच ट्रेवर बेलिस को टीम का कोच बनाया गया था। ऐसा समझा जाता है कि बेलिस टीम के कोच बने रहेंगे जबकि मूडी क्रिकेट निदेशक के रूप में अपनी भूमिका निभाएंगे। इससे पहले रॉय चैलेंजर्स बेंगलुरु ने भी टीम में ऐसा मॉडल तैयार किया था। बेंगलुरु ने सिमोन कैटिच को मुख्य कोच जबकि माइक हैसन को क्रिकेट निदेशक बनाया था। मूडी के नेतृत्व में हैदराबाद काफी सफल टीम रही थी और उसने 2016 में आईपीएल का खिताब जीता था जबकि 2018 में उपविजेता रही थी। मूडी ऑस्ट्रेलिया के घरेलू टी-20 टूर्नामेंट बिग बैश लीग में मेलबोर्न रेनेगेड्स टीम के क्रिकेट निदेशक पद पर कार्य कर चुके हैं।

फिट होने पर भारत के खिलाफ टेस्ट में पदार्पण कर सकते हैं ग्रीन

एडिलेड।

आस्ट्रेलिया के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने मंगलवार को कहा कि ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन अगर फिट घोषित कर दिए जाते हैं, तो वह भारत के खिलाफ शुरू होने जा रही चार मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में पदार्पण कर सकते हैं। ग्रीन को भारत के खिलाफ पहले अभ्यास मैच के दौरान सिर में चोट लगी थी और कनकशन के कारण वह मैच से बाहर हो गए थे। एडिलेड में खेले जाने वाले डे नाइट टेस्ट से पहले अगर वह मेडिकल टेस्ट पास कर लेते हैं तो फिर प्लेइंग इलेवन में जगह बना सकते हैं। लैंगर ने कहा कि वह बतौर बल्लेबाज खेल सकते हैं। लैंगर ने कहा, अगर वह फिटनेस पास कर लेते हैं तो वह खेलेंगे। हम कनकशन और कनकशन प्रोटोकॉल को देख रहे हैं। यह एक बहुत ही असामान्य घटना थी जो उसके साथ घटित हुई। यदि कैमरन प्रोटोकॉल से गुजरते हैं और वह अच्छा महसूस करते हैं तो वह खेलेंगे। उन्होंने कहा, मैंने उन्हें पिछली रात देखा है। उनके चेहरे पर मुस्कान थी। उनको सुबह (मंगलवार) एक और टेस्ट किया गया था ताकि उनको लेकर हमें अच्छी खबर मिल पाए। वह बहुत ही अच्छे खिलाड़ी हैं और आप

अपना टैलेंट एक रात में नहीं गंवा देते। वह लगातार इसकी कोशिश में लगे हुए हैं। आज हम उनके खेल पर नजर रखेंगे और देखेंगे कि वह किस तरह से खेल रहे हैं। एक दो दिन में इस बात पर फैसला हो जाएगा कि पारी की शुरूआत किसे करना है।

इशांत की अनुपस्थिति के बावजूद हमारा गेंदबाजी आक्रमण मजबूतः रहाणे

एडिलेड।

भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान अजिंक्या रहाणे का मानना है कि तेज गेंदबाज इशांत शर्मा की अनुपस्थिति के बावजूद टीम का गेंदबाजी आक्रमण मजबूत है और टीम के गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 17 दिसंबर से होना है। यह दिन-रात्रि टेस्ट मैच है जो गुलाबी गेंद से खेला जाएगा। इस दौरे के लिए टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज इशांत चोट की वजह से शामिल नहीं किए गए हैं लेकिन उपकप्तान का मानना है कि उनके टीम में नहीं रहने के बावजूद टीम इंडिया का गेंदबाजी आक्रमण मजबूत है। रहाणे ने कहा, ÷हमारे पास मजबूत गेंदबाजी आक्रमण है। हम इशांत को मिस करेंगे क्योंकि वह टीम के सीनियर तेज गेंदबाज हैं लेकिन उमेश यादव, नवदीप सैनी, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी जैसे गेंदबाज टीम में हैं और यह सभी गेंदबाज अनुभवी हैं और इन परिस्थितियों में कैसे गेंदबाजी करनी है उन्हें बखूबी पता है। हमारे लिए गेंदबाजी में संतुलन और साझेदारी जरूरी है।' उन्होंने कहा, 'सभी गेंदबाज बेहतर हैं। अंतिम एकादश में किन गेंदबाजों को शामिल करना है हमने फिलहाल इसको लेकर कोई फैसला नहीं लिया है। इस बारे में बुधवार को चर्चा होगी। मैच से पहले अब एक अभ्यास सत्र बचा है। टीम में सभी खिलाड़ी समान रूप से प्रतिभाशाली हैं। जिस खिलाड़ी को मौका मिलेगा वो मैच जीता सकता है, यह सिर्फ खिलाड़ियों पर भरोसा रखने की बात है।' भारत ने 2018 में ऑस्ट्रेलिया से टेस्ट सीरीज जीती थी लेकिन उसके लिए इस बार डेविड वार्नर और स्टीवन स्मिथ चुनौती खड़ी कर सकते हैं। हालांकि ऑस्ट्रेलियाई टीम खिलाड़ियों की चोट से परेशान है और उसके सलामी बल्लेबाज वार्नर पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं जबकि स्मिथ भी मंगलवार को पीठ में सूजन के कारण अभ्यास सत्र से हट गए थे। भारतीय टीम इसका फायदा उठा सकती है।

पुजारा से सावधान रहे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज : हेडन

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन के अनुसार उनकी टीम के गेंदबाजों को टीम इंडिया के बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा से सावधान रहना होगा। हेडन के अनुसार पुजारा उन बल्लेबाजों में हैं, जो कम स्ट्राइक रेट के बाद भी विपक्षी टीम को नुकसान पहुंचा देते हैं। पुजारा ने 2018-19 में पिछले ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर तीन शतकों के साथ ही 521 रन बनाए थे। उन्हें मैन ऑफ द सीरीज चुना गया था। इस बार भी वह भारतीय टीम की बल्लेबाजी का मुख्य स्तंभ माने जा रहे हैं। हेडन ने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई लोगों को कॉफी पीना पसंद है और जब पुजारा बल्लेबाजी कर रहे थे तब हमने यह तय किया था कि हमारे पास पर्याप्त मात्रा में कैफीन हो, लेकिन उन्होंने बुरी तरह से परेशान किया।'हेडन ने कहा, 'हम उस पीढ़ी में हैं जो अच्छे स्ट्राइक रेट वालों को पसंद करती है, पर पुजारा टेस्ट क्रिकेट में उन बल्लेबाजों में से हैं जिनका स्ट्राइक रेट 45 से कम का है और वह आपको परेशान कर सकते हैं।'पुजारा ने अभी तक खेले 77 टेस्ट मैचों में 18 शतकों के साथ 5,840 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 46.19 का रहा है।

2022 में होने वाले महिला विश्व कप का कार्यक्रम जारी

नई दिल्ली ।

इंटरनेशनल क्रिकेट कांउसिल (ICC) ने मंगलवार को 2022 में होने वाले महिला विश्व कप के कार्यक्रम की घोषणा की। 4 मार्च से 3 अप्रैल के बीच खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट का आयोजन न्यूजीलैंड में होगा। पहले यह विश्व कप फरवरी मार्च 2021 में होना था, लेकिन कोरोना महामारी के कारण एक साल तक के लिए स्थगित कर दिया गया था। भारतीय महिला टीम 6 मार्च को अपने अभियान की शुरुआत करेगी, यह भिड़ंत किससे होगी यह क्वालिफायर के बाद पता चल पाएगा। भारत को 12 और 22 मार्च को हैमिल्टन के सेडॉन पार्क में भी क्वालीफायर टीमों से खेलना है। भारतीय टीम 16 मार्च को इंग्लैंड से खेलेगी जिसने उसे महिला विश्व कप 2017 के फाइनल में हराया था। वहीं ऑस्ट्रेलिया से 19 मार्च और दक्षिण अफ्रीका से 27 मार्च को खेलना है। फिलहाल भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीकी टीम ही विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर पाईं हैं, अन्य तीन टीम का फैसला श्रीलंका में अगले साल जून-जुलाई में होने वाले क्वालिफाइंग टूर्नामेंट से होगा।यह महिला विश्व कप का 11वां संस्करण होगा। 1973 में पहली बार इंग्लैंड ने अपनी मेजबानी में टूर्नामेंट जीता था। तब से लेकर अब तक इंग्लिश महिलाएं चार बार खिताब अपने नाम कर चुकी है। ऑस्ट्रेलिया ने सर्वाधिक छह फाइनल जीता है। न्यूजीलैंड को एक बार सफलता हाथ लगी। दो फाइनल खेल चुकी भारतीय महिलाएं टीम इस बार अपने पहले

विश्व कप के लिए पूरी ताकत लगा देगी। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल वेलिंगटन और क्राइस्टचर्च में खेले जाएंगे।

फाइनल तीन अप्रैल को क्राइस्टचर्च में दूधिया रोशनी में होगा। टूर्नामेंट में पुरस्कार राशि 55 लाख डॉलर है जो पिछली बार की तुलना में 60 प्रतिशत अधिक और 2013 से सौ फीसदी अधिक है। सभी मैचों का सीधा प्रसारण किया जाएगा।

कोरोना के चलते फिर से प्रीमियर लीग के मैचों में नहीं मिलेगी दर्शकों को एंट्री

लंदन में कोरोना वायरस के मामलों के बढ़ने के कारण लगाये गए प्रतिबंधों को देखते हुए ब्रिटिश राजधानी के छह प्रीमियर लीग (ईपीएल) क्लब दर्शकों को स्टेडियम में आने की अनुमति नहीं देंगे। ब्रिटिश सरकार का फैसला बुधवार से लागू होगा। इससे केवल चार शीर्ष क्लबों को ही स्टेडियम में 2000 दर्शकों को रखने की अनुमति होगी।ये क्लब हैं पश्चिमी तट पर स्थित एवर्टन और लिवरपूल और दक्षिणी तट पर स्थित ब्राइटन और साउथम्पटन। आर्सनल, चेल्सी, क्रिस्टल पैलेस, फुलहम, टोटेनहैम और वेस्टहैम के मैचों में दर्शक नहीं आ पाएंगे। दो सप्ताह पहले ही दर्शकों को स्टेडियम में आने की अनुमति दी गयी थी। उल्लेखनीय है कि ब्रिटेन में कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर के लिए अलर्ट जारी हो गया है। देशभर में संक्रमण के मामले बढ़ते जा रहे हैं। मौजूदा हालातों को देखते हुए देश भर में कोविड-19 से संबंधित नए प्रतिबंध और कड़े नियम लागू किए जाएंगे। लंदन में हाल ही में ब्रिटेन के हेल्थ सेक्रेटरी मैट हैनकॉक ने सांसदों को यह जानकारी दी।उन्होंने यह भी कहा कि हमने कोरोना वायरस के नए प्रकार की पहचान की है जो कि इंग्लैड के दक्षिण पूर्व में तेजी से पैर पसार सकता है। क्योंकि शुरुआती अध्ययन में पता चला है कि कोरोना वायरस का यह नया प्रकार मौजूदा वेरिएंट की तुलना में तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में इस नए वेरिएंट के 1000 से अधिक मामलों की पहचान की गई है। मुख्य रूप से दक्षिण इंग्लैंड में यह तेजी से पैर पसार रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अप्रेजल का पक्ष-विपक्ष

अप्रेजल का समय किसी भी कर्मचारी के लिए बहुत उम्मीदों भरा होता है। इस दौरान उसके और अधिकारी के बीच का तालमेल ही उसकी काबिलियत की पारदर्शी झलक संस्थान के सामने रखता है। पिछले सप्ताह की सालाना अप्रेजल से जुड़ी विशेष रिपोर्ट को आगे बढ़ाते हुए आज प्रस्तुत है अप्रेजल प्रक्रिया से जुड़ी रिपोर्ट की अंतिम कड़ी।

कर्मचारी अपने प्रदर्शन में सुधार लाने के लिए क्या करे, इस बारे में अधिकारी का अनुभव निश्चित तौर पर काम आ सकता है।

किसी भी संस्थान के लिए उसके कर्मचारियों का सालाना परफॉर्मेंस रिव्यू करना बेहद जरूरी होता है। परफॉर्मेंस रिव्यू के अनेक फायदे होते हैं। इसकी मदद से सुपरवाइजर अपने अधीनस्थों के साथ बेहतर रिश्ता जोड़ने में सफल होते हैं और अपनी जिम्मेदारियों के प्रति भी आश्वस्त होते हैं। वहीं कर्मचारियों को इस बात का पता चलता है कि संस्थान और उनके अधिकारी उनसे क्या उम्मीदें रखते हैं। साथ ही उन्हें उनकी क्षमताओं की फिर से जानकारी, जरूरी कार्यक्षेत्रों का ज्ञान और सुपरवाइजर के साथ अपने संबंधों का सही अंदाजा लग पाता है। परफॉर्मेंस रिव्यू से जुड़े मुद्दे के प्रति उदासीनता के कारण कर्मचारियों का उत्साह तो गिरता ही है, मैनेजमेंट की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठते हैं। इस कारण संस्थान की छवि पर भी असर पड़ता है और कई छोटे-छोटे कार्यों में ही मैनेजमेंट का काफी समय व्यर्थ जाता है।

विशेषज्ञों के अनुसार परफॉर्मेंस अप्रेजल के समय मैनेजर को कर्मचारी की परफॉर्मेंस के स्थान पर उसके व्यक्तित्व को ध्यान में रखना चाहिए। अप्रेजल के बाद बेहतरी की योजना को अमल में लाया जा सकता है। इस समय मैनेजर के पास उसके अधीनस्थ का परफॉर्मेंस रिकॉर्ड होना चाहिए। यह सामान्य आकलन होता है, जिसके दौरान मैनेजर कर्मचारी की परफॉर्मेंस का जायजा लेता है। इसी समय कर्मचारी के पास भी अपने लक्ष्यों को लेकर तस्वीर स्पष्ट होनी चाहिए। इसके बाद समय-समय पर मैनेजर व अधीनस्थ रूबरू मिलकर परफॉर्मेंस पर विस्तार से बात कर सकते हैं, यानी यह समय फीडबैक का होता है।

फीडबैक भी कर्मचारी की परफॉर्मेंस की बजाय उसके स्किल डेवलपमेंट से जुड़ा होना चाहिए। यदि मैनेजर केवल परफॉर्मेंस पर फोकस करता है, तो फीडबैक का महत्व घटता है और कर्मचारी अपने बचाव की मुद्रा में आ जाता है। इसलिए कर्मचारियों को उनकी समस्याओं पर विचारों के साथ आगे आने देना चाहिए। यदि कर्मचारी अपने सामने खड़ी समस्या को सही तरीके से व्यक्त नहीं कर पाता, तो भी उसकी समस्याएं लंबे समय तक बनी रह सकती हैं।

दरअसल, अप्रेजल के बाद का समय मैनेजर की सक्रियता का होता है। इस समय उसे ही अपने अधीनस्थों से संबंधित सभी डेटा के आधार पर फैसले करने होते हैं। उसे देखना होता है कि जिन शर्तों पर कर्मचारियों को कंपनी में रखा गया था, वे उन शर्तों पर खरे उतर रहे हैं या नहीं! इस तरीके से सभी की परफॉर्मेंस और अप्रेजल को पारदर्शी तरीके से देखने में मदद मिलती है और कर्मचारियों के बीच वह उदासीनता भी दूर होती है, जिसके कारण वे अप्रेजल की प्रक्रिया को ही शक की निगाह से देखने लगते हैं। तो क्या होनी चाहिए अप्रेजल के दौरान और उसके बाद की प्रक्रिया, ताकि अधीनस्थ खुश रहें और अधिकारी भी संस्थान और अपने विभाग के पक्ष में अच्छा महसूस कर सकें?

अधिकारी की जिम्मेदारियां

मीटिंग

जहां तक संभव हो अधिकारी को कर्मचारी के पक्ष में फीडबैक के लेन-देन और आगामी योजनाओं के बारे में जानकारी के आदान-प्रदान को कर्मचारियों के साथ ही मीटिंग में स्पष्ट करना चाहिए। सही प्रक्रिया यह होगी कि कर्मचारियों को पहले बोलने दिया जाए और उनसे इनपुट प्राप्त किए जाए। इसके बाद अपने इनपुट भी रखने चाहिए। अधिकारी को अपने हरेक अधीनस्थ से ऐसे मुद्दों पर भी बात करनी चाहिए, जहां उनके विचार मेल न खाते हों। यदि किसी बात पर कोई कर्मचारी अपने बचाव की भूमिका बना रहा है, तो उस पर भी खुलकर बात करनी चाहिए। इस दौरान कर्मचारियों के व्यवहार पर ही बात करना उचित होता है, व्यक्तित्व या परफॉर्मेंस पर नहीं। अधिकारी को चाहिए कि वह किसी भी सवाल के जवाब में नकारात्मक शब्दों के प्रयोग से बचे। जहां जरूरी हो वहां अधीनस्थ के साथ खड़े होने की बात करे और मीटिंग सकारात्मक संदेश पर समाप्त हो।

पारदर्शिता

अधिकारी को चाहिए कि वह अपने अधीनस्थों की कार्य संबंधी जिम्मेदारियों से अच्छी तरह परिचित हो, ताकि अप्रेजल करते समय उसके निर्णय ठीक रहें। अधिकारी द्वारा अप्रेजल के दौरान दिए जाने वाले इनपुट्स में किसी भी कर्मचारी के वर्ण, लिंग, धर्म, राष्ट्रीयता या किसी किस्म की शारीरिक अक्षमता से जुड़ा कोई गैरजरूरी वक्तव्य नहीं होना चाहिए। इनपुट्स में कर्मचारी की बड़ी उपलब्धियों के अलावा उसके/उसकी कार्यक्षमताओं और कुछ कमियों का जिक्र ही होना चाहिए। कर्मचारी भविष्य में अपनी परफॉर्मेंस में सुधार लाने के लिए क्या कर सकता है, इस बारे में अधिकारी की ओर से भी कुछ विचार होने चाहिए। अधिकारी का अनुभव इस बारे में निश्चित तौर पर सकारात्मक भूमिका निभा सकता है। कर्मचारी के व्यवहार के बारे में इनपुट देते समय अधिकारी को अपने अनुभव को ही आधार बनाना चाहिए, ना कि सुनी हुई बातों को।

नो सरप्राइजेज प्लीज!

किसी भी विभाग को कुशलता से चलाने का अच्छा तरीका यही होता है कि कार्य से जुड़े जो भी मुद्दे उठें, उन पर तुरंत अधिकारी और अधीनस्थों में बात हो। यही प्रक्रिया परफॉर्मेंस अप्रेजल के दौरान भी अमल में लाई जानी चाहिए, जिसकी जिम्मेदारी मूलतः अधिकारी की होती है। इस तरह अप्रेजल के बाद कर्मचारी को अच्छा या खराब, कोई सरप्राइज नहीं मिलेगा। ऐसा केवल उसी सूरत में मिलता है, जबकि अधिकारी अपने काम में कोई कमी छोड़ता है या फिर वह अप्रेजल प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता नहीं अपनाता। मीटिंग के दौरान काम से जुड़े हरेक मुद्दे पर बात करना ठीक रहता है, लेकिन कर्मचारी को उन सभी मुद्दों की जानकारी पहले से होनी चाहिए।

कुछ और बातें

कर्मचारी के डर

आजकल अधिकांश कर्मचारी कंपनियों में परफॉर्मेंस रिव्यू की प्रक्रिया से भली-भांति परिचित होते हैं। इसके बावजूद परफॉर्मेंस अप्रेजल के समय अधिकांश कर्मचारी एक तनावपूर्ण माहौल से गुजरते हैं। उन्हें लगता है कि खुद उनसे जुड़ी परिस्थितियों पर उनका कोई नियंत्रण नहीं है। वह इस दौरान खुद को लाचार महसूस करते हैं। वहीं दूसरी ओर मैनेजरों को विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय देनी होती है, इसलिए वह खुद बहुत दबाव की स्थिति में रहते हैं। कर्मचारियों को अक्सर अप्रेजल के लिए होने वाली मीटिंग से पहले 'सेल्फ इवैल्युएशन फॉर्म' भी भरना होता है। परंतु यह प्रक्रिया भी अक्सर उन्हें बहुत लंबी और थकाऊ महसूस होती है।

अधिकारी के डर

यह भी देखा गया है कि किसी मुद्दे पर कर्मचारी के साथ तनाव होने की आशंका से बचने के लिए भी अधिकारी परफॉर्मेंस रिव्यू पर बात करने से हिचकते हैं। यह सच है कि मैनेजरों को अपने सभी अधीनस्थों की सालाना परफॉर्मेंस का विस्तृत जायजा लेना होता है, जिस काम में खासा समय लगता है। उन्हें इस काम में जल्दी इसलिए भी करनी होती है, क्योंकि मानव संसाधन (एचआर) विभाग की ओर से भी समयसीमा तय की जाती है। इसलिए समूची प्रक्रिया में कुछेक मुद्दों पर चाह कर भी वह अधिक समय नहीं दे पाते।

क्या करें?

विशेषज्ञों के अनुसार मैनेजरों को साल भर लगातार अपने अधीनस्थों से जुड़ा फीडबैक प्राप्त करना चाहिए। वह अपने विभाग में ऐसा वर्क कल्चर तैयार करें, जिसमें काम से जुड़े मुद्दों पर समय-समय पर विमर्श हो। इसके लिए प्रत्येक पद पर तैनात व्यक्ति से स्पष्ट अपेक्षाएं तय हों, जो सभी नए कर्मचारियों को भी काम के पहले ही दिन बता दी जाएं। अधिकारी को चाहिए कि वह अप्रेजल में परफॉर्मेंस पर बात करते समय पहले अधीनस्थ के विचार जाने। शुरुआत में वह कर्मचारी से खुद की परफॉर्मेंस का आकलन करने को कहे। बातचीत में ऐसे उदाहरण भी प्रस्तुत करें कि कहां कर्मचारी अपने लक्ष्य प्राप्त करने में कामयाब रहा और कहां उसे अधिक मेहनत की जरूरत है।

कैसे पहुंचें आप प्रमोशन की मंजिल तक!

नौकरी कर रहे लोगों के दिमाग में प्रमोशन का सवाल जब-तब उठता रहता है। कभी अपने अनुभव को लेकर उन्हें अपना मौजूदा पद कम दिखता है, तो कभी लंबे समय तक एक ही पद पर बने रहना अपनी योग्यता का अनादर लगता है। दरअसल, ऐसे कई कारण होते हैं, जिनकी वजह से योग्य व्यक्ति करियर की दौड़ में खुद को पिछड़ता महसूस करते हैं। बेशक इनमें से कुछ कारण जायज होते हैं और कुछ नहीं। तो बेहतर यही होगा कि अपने कारणों को पहले जानें और फिर उन पर कार्रवाई करें। कई बार योग्य व्यक्ति लंबे समय तक अपनी मौजूदा नौकरी में भी वही काम करता दिखता है, जो वह पिछले संस्थान में कर रहा था। यह भी एक बहुत बड़ा कारण होता है असंतुष्टि का। इसके अलावा एक अन्य कारण भी है, जिसे संभवतः सबसे बड़ा कहा जा सकता है। वह यह कि किन्हीं विशेष मानदंडों पर अन्य लोगों को तरक्की मिलना यदि संभव होता है, तो उन्हीं मानदंडों पर आपको क्यों नहीं?

सच यह है कि प्रमोशन के मामले में दो कारण विशेष तौर पर असर डालते हैं - पहला, कार्यस्थल पर किसी विशेष भूमिका या पद को तैयार किया जाना और दूसरा, उस भूमिका को निभाने के लिए किसी व्यक्ति विशेष का उत्साह या उसकी रजामंदी। इन दोनों कारणों में से पहले में आमतौर पर कर्मचारियों की कोई सीधी भूमिका नहीं होती और वह कारण उनके वश में भी नहीं होता, लेकिन दूसरा कारण उनके वश में होता है। वह नई भूमिका के लिए खुद तैयार होकर आगे आ सकते हैं। ऊपर लिखे दोनों पक्षों पर लगभग एक ही समय पर कार्रवाई होनी चाहिए। किसी नई जिम्मेदारी को निभाने के लिए कर्मचारी का खुद आगे आना उसे अधिकारी की नजर में भी ऊपर उठाता है। याद रखें कि अप्रेजल के समय दिखाया जाने वाला ऐसा ही उत्साह आपके काम भी आता है।

नई भूमिका की बात करें, तो इसके कई छोटे-छोटे पक्ष हो सकते हैं। उदाहरण के लिए अगर कंपनी के व्यवसाय पर कुछ विपरीत असर दिख रहे हैं, तो उसे दोबारा पटरी पर लाने के लिए कुछ बड़े कदम उठाने होंगे। एक अन्य कारण इंडस्ट्री में उस नई भूमिका के चलन से जुड़ा भी हो सकता है। यदि विकास की दर ठीक चल रही है, तो ऐसे हालात में भी कुछ नए पदों पर विचार करना जरूरी हो जाता है।

अपने सभी खर्चों के लिए आपको पैसे की आज भी उतनी ही जरूरत है जितनी पहले कभी थी। अपनी पिछली प्रमोशन्स पर नजर डालें, तो उस दौरान जिन मानदंडों का इस्तेमाल किया गया था, आज भी वह उतने ही प्रासंगिक हैं। यह प्रक्रिया समय के साथ-साथ विकसित होती है। आपकी नई भूमिका के लिए आपसे और अधिक योग्यता दिखाने की उम्मीद की जाएगी, इसलिए यह पक्ष पूरी तरह से आपके काबू में है। याद रखें कि इस युग में एक ही व्यक्ति से कई तरह के काम किए जाने की उम्मीद की जाती है। इसके लिए आपको तैयार रहना होगा। लिहाजा, अवसर के सामने आने का इंतजार करते समय अपनी कार्यक्षमता के विभिन्न पक्षों पर काम करते रहें।

इंटरप्रेटर देश-विदेश में डिमांड

ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में करियर के बहुत-सेनए फील्ड डेवलप हुए हैं। इस ग्लोबलाइजेशन का असर भारत में भी पड़ा है। ऐसा ही एक फील्ड है लैंग्वेज इंटरप्रेटर। लैंग्वेज इंटरप्रेटर की डिमांड आज प्राइवेट कंपनीज से लेकर गवर्नमेंट ऑग्रेनाइजेशंस में भी देखी जा रही है। इस फील्ड में आने वाले युवाओं को अच्छी सैलरी के साथ-साथ देशिवदेश घूमने का पूरा मौका भी मिलता है। कई मल्टीनेशनल कंपनीज में अलग से लैंग्वेज इंटरप्रेटर को अप्वाइंट किया जाता है। जानकारों के मुताबिक जैसे- जैसे फॉरेन कंपनीज का विस्तार भारत में होगा, लैंग्वेज इंटरप्रेटर की डिमांड बढ़ती जाएगी

कार्य क्षेत्र

एक सफल इंटरप्रेटर अच्छा अनुवादक भी होता है। लैंग्वेज इंटरप्रेटर बनने के लिए सबसे पहले अपने आपको अनुवादक या ट्रांसलेटर के तौर पर स्थापित करना होता है। लैंग्वेज पर पूरी तरह से पकड़ बनानी पड़ती है। बात चाहे विदेशी फिल्मों की, हिंदी या दूसरी भाषाओं में डबिंग की हो, डेलिगेशन में लैंग्वेज को ट्रांसलेट करना हो या सीधे किताबों का अनुवाद करना हो, तो लैंग्वेज इंटरप्रेटर की जरूरत हर जगह होती है।

डिमांड

इंटरप्रेटर यानी द्विभाषिए की जरूरत कुछ समय पहले तक ज्यादा नहीं थी, लेकिन हाल ही के कुछ वर्षो में द्विभाषियों की जरूरत कई स्तरों पर महसूस की जाने लगी है। सरकार में लोकसभा-राज्यसभा से लेकर विदेश मंत्रालय में द्विभाषियों की जरूरत काफी ज्यादा है। विदेश में जाने वाले कई डेलिगेशन्स में मिनिस्टर्स अपने साथ इंटरप्रेटर (द्विभाषिए) जरूर ले जाते हैं। खासतौर पर चीन व कई यूरोपीय देशों में, रूस में और खाड़ी स्थित देशों में जाते समय इनकी ज्यादा जरूरत होती है।

स्किल्स

अनुवाद का काम महज डिग्री व डिप्लोमा से ही सीखा नहीं जा सकता। इसके लिए निरंतर अभ्यास और व्यापक ज्ञान की भी जरूरत पड़ती है। यह दो भाषाओं के बीच पुल का काम करता है। अनुवादक को इस कड़ी में स्रेत भाषा से लक्ष्य भाषा में जाने के लिए दूसरे के इतिहास और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का भी ज्ञान हासिल करना पड़ता है। एक प्रोफेशनल अनुवादक बनने के लिए कम से कम स्नातक होना जरूरी है। इसमें दो भाषाओं के ज्ञान की मांग की जाती है। उदाहरण के तौर पर इंग्लिश-हिंदी का अनुवादक बनना है, तो आपको दोनों भाषाओं के व्याकरण और सां स्कृतिक व ऐ तिहासिक पृष्ठभूमि का ज्ञान जरूर होना चाहिए। करियर के लिहाज से देखें, तो इंटरप्रेटर को प्रथम श्रेणी के अधिकारी का दर्जा प्राप्त होता है। विदेशी कंपनियों को किसी देश में व्यवसाय स्थापित करने या टूरिस्ट को भी इंटरप्रेटर की जरूरत पड़ती है। एक इंटरप्रेटर यहां भी स्वतंत्र रूप से अपनी सेवा दे सकता है।

कोर्स

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से परशियन लैंग्वेज में सर्टिफिकेट, बैचलर डिग्री और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं।

कर्नाटक यूनिवर्सिटी से पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन जर्मन लैंग्वेज और परशियन लैंग्वेज में बैचलर और पीएचडी कर सकते हैं।

बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी से जर्मन, फ्रेंच और इटैलियन, रशियन, जैपनीज लैंग्वेज में डिप्लोमा, डिग्री और मास्टर्स कर सकते हैं।

दिल्ली यूनिवर्सिटी से परशियन, फ्रेंच, जर्मन, इटैलियन, सरबियन लैंग्वेज में बैचलर डिग्री, मास्टर्स और पीएचडी कर सकते हैं।

जेएनयू दिल्ली से फ्रेंच, जर्मन, चाइनीज, स्पैनिश, जै पनीज लैंग्वेज में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, बैचलर और पीजी कोर्स कर सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमिताभ-अक्षय संग किया काम, वेब सीरीज से कमाया नाम, ऐसी है कीर्ति कुल्हारी की करियर जर्नी

कीर्ति को पहचान 2016 में फिल्म पिंक से मिली. इस फिल्म में कीर्ति अमिताभ बच्चन, तापसी पन्नू के साथ नजर आईं. फिल्म में उनकी एक्टिंग को काफी सराहा गया. 2017 में वो मधुर भंडारकर की फिल्म इंदू सरकार में लीड रोल में नजर आईं. 2018 में इरफान खान संग फिल्म ब्लैकमेल में दिखीं.

एक्ट्रेस कीर्ति कुल्हारी इन दिनों वेब सीरीज **Criminal Justice: Behind Closed Doors** को लेकर चर्चा में हैं. ये वेब सीरीज इसी महीने डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होने वाली है. वेब सीरीज का ट्रेलर रिलीज किया जा चुका है. ट्रेलर में कीर्ति की एक्टिंग की काफी तारीफ की जा रही है. कीर्ति की एक्टिंग फैंस को काफी पसंद आती है. पिंक, मिशन मंगल और ब्लैकमेल में भी कीर्ति को बेहद पसंद किया गया था. आइए एक नजर डालते हैं कीर्ति की करियर जर्नी पर...

ऐसे शुरू हुआ कीर्ति का करियर

कीर्ति कुल्हारी ने थिएटर और टीवी कॉमर्शियल्स से करियर शुरू किया था. उन्हें कई फेमस ब्रांड्स के एड्स में देखा गया. वो गिप्पी ग्रेवाल के **Hik Vich Jaan** म्यूजिक वीडियो का भी हिस्सा रहीं. 2010 में फिल्म खिचड़ी में उनकी पहली अपीरियंस देखने को मिली. इसके बाद वो 2011 में फिल्म शैतान में नजर आईं. 2013 में वो **Sooper Se Ooper** में दिखीं. लेकिन किसी भी फिल्म से कीर्ति को पहचान नहीं मिली. फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म भी नहीं कर पाईं.

कीर्ति को पहचान 2016 में फिल्म पिंक से मिली. इस फिल्म में कीर्ति अमिताभ बच्चन, तापसी पन्नू के साथ नजर आईं. फिल्म में उनकी एक्टिंग को काफी सराहा गया. 2017 में वो मधुर भंडारकर की फिल्म इंदू सरकार में लीड रोल में नजर आईं. 2018 में इरफान खान संग फिल्म ब्लैकमेल में दिखीं.

2019 में वो उरी द सर्जिकल स्ट्राइक में एयरफोर्स ऑफिसर के किरदार में दिखीं. इस फिल्म में विक्की कौशल लीड रोल में थे. फिल्म को काफी सराहा गया और बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म ने बेहतरीन परफॉर्म किया. 2019 में ही वो अक्षय कुमार और विद्या बालन की फिल्म मिशन मंगल में नजर आईं.

इसी के साथ 2019 में वो वेब सीरीज **Four More Shots Please** में दिखीं. इस वेब सीरीज में उनका रोल काफी स्ट्रॉन्ग था. उनकी एक्टिंग को भी काफी पसंद किया गया. इसका सेकेंड सीजन भी आया, इसमें भी कीर्ति नजर आईं. वेब सीरीज को भी काफी पसंद किया गया. इसके अलावा कीर्ति इमरान हाशमी की बार्ड ऑफ ब्लड में एक्टिंग का जलवा बिखेर चुकी हैं. कीर्ति ने के के मेनन संग फिल्म **San' 75 Pachattar** में भी काम किया. फिल्म 2015 में शूट की गई, लेकिन अभी तक रिलीज नहीं हुई है.

चर्चा में जाह्नवी कपूर की येलो ड्रेस, कीमत जानकर हो जाएंगे हैरान

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अपनी लुक्स की वजह से हमेशा चर्चा में रहती हैं. वे डिफ्रेंट आउटफिट में तस्वीरें शेयर करती रहती हैं जिसे फैन्स काफी पसंद करते हैं. उनका ग्लैमरस अंदाज फैंस को बहुत भाता है. हाल ही में एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर एक एड शूट में नजर आईं. इस एड शूट से उनका आउटफिट चर्चा में बना हुआ है. जाह्नवी एक प्रिंटेड यैलो मिनी ड्रेस में नजर आ रही थीं. जाह्नवी कपूर की इस ड्रेस की कीमत जान किसी को भी हैरान हो सकता है.

जाह्नवी कपूर को तो आपने तरह-तरह के आउटफिट में देखा होगा. हर एक आउटफिट में जाह्नवी बेहद खूबसूरत नजर आती हैं. इस एड में भी जाह्नवी पर ये ड्रेस बहुत जंच रही है. वे ब्राइट यैलो पोलका प्रिंटेड मिनी ड्रेस में नजर आईं. बता दें कि जाह्नवी कपूर द्वारा पहनी गई इस यैलो ड्रेस की कीमत बहुत ज्यादा नहीं है. इंडिया टुडे की रिपोर्ट की मानें तो ये ड्रेस भारतीय बाजारों में मात्र 824 रुपए है. जाह्नवी इस दौरान बैरी टोन्ड न्यूड लिपिस्टिक लगाए और लाइट आए शौडो के साथ नजर आईं. वे तस्वीर में आकर्षक नजर आ रही थीं. फैन्स को भी ये एड बहुत पसंद आ रहा है.

राजकुमार राव संग आएंगी नजर

वर्क फ्रंट की बात करें तो जाह्नवी कपूर की पिछली फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी. फिल्म का नाम गुंजन सक्सेना दा कारगिल गर्ल था. फिल्म को काफी पसंद किया गया था. जाह्नवी के हालिया प्रोजेक्ट की बात करें तो वे राजकुमार राव और वरुण शर्मा के अपोजिट फिल्म रूहीआफ्जा में नजर आएंगी. फिल्म साल 2021 में रिलीज की जाएगी. इसके अलावा जाह्नवी कपूर तख्त और देस्ताना 2 का भी हिस्सा हैं. लॉकडाउन फेज में जाह्नवी ने अपनी छोटी बहन खुशी कपूर के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड किया. इस दौरान की फोटोज भी उन्होंने साझा की.

दादा राज कपूर के जन्मदिन पर करीना-करिश्मा ने शेयर की स्पेशल पोस्ट

करीना कपूर खान कुछ समय से सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं हैं. लेकिन करीना ने अपने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा की है. जो बेहद ही पुरानी है. उनकी वो फोटो उनके ग्रैंडपैरेंट्स की है. इस तस्वीर में उनके दादा जी राज कपूर, दादी कृष्णा कपूर और उनके पिता रणधीर कपूर है. बता दें आज उनके दादा राज कपूर के जन्मदिन को 96 साल हो गए हैं. इस मौके पर उन्होंने एक ब्लैक एंड व्हाइट फोटो शेयर की है.

इस तस्वीर में राज कपूर और उनके बेटे रणधीर कपूर को सूट में दिखाया गया है, वहीं उनकी दादी सलवार सूट में काफी खूबसूरत लग रहीं हैं. आपको ये तस्वीर इंडस्ट्री के खूबसूरत दिनों की याद दिलाएगा. फोटो को शेयर करते हुए करीना ने इसे कैप्शन दिया, आपके जैसा कोई और नहीं होगा ... जन्मदिन मुबारक हो दादाजी करीना के फैंस उनकी इस तस्वीर पर बेहद प्यार दे रहे हैं.

करीना के बाद उनकी बहन करिश्मा कपूर ने भी अपने दादा के साथ एक बचपन की तस्वीर साझा की. जिसमें वो उनकी गोद में नजर आ रहीं हैं उन्होंने लिखा, मैंने दादाजी से बहुत कुछ सीखा .. जन्मदिन पर आपको याद कर रहीं हूं.

बता दें राज कपूर का जन्म 14 दिसंबर, 1924 को पेशावर, पाकिस्तान में हुआ था. कुछ समय बाद कपूर साहब का परिवार भारत आ गया. मुंबई में बसने से पहले राज कपूर अलग-अलग शहरों में रहे. पाकिस्तान में राज कपूर की हवेली हाल ही में सुर्खियों में आई थी, क्योंकि सरकार ने इसे एक विरासत स्थल में बदलने का फैसला किया था.राज कपूर का निधन 1988 में हो गया था वहीं उनकी पत्नी कृष्णा कपूर का निधन 2018 में हुआ. बता दें 2020 में परिवार ने ऋषि कपूर और बहन रितु नंदा को भी खो दिया.

कंटेस्टेंट्स पर लटकी नॉमिनेशन की तलवार! रुबीना-अभिनव के निशाने पर एजाज

बिग बॉस के घर में इस वीकेंड कोई नॉमिनेशन नहीं हुआ, पर अब आने वाले वीकेंड में कोई एक सदस्य घर से बाहर होने वाला है. चैनल ने इस नॉमिनेशन को लेकर एक प्रोमो शेयर किया है जिसमें घरवाले, उस सदस्य का नाम लेते हैं जिन्हें वे घर में और नहीं देखना चाहते हैं. इस प्रक्रिया में एजाज खान अपने साथ आए चार कंटेस्टेंट्स के निशाने पर आए.

रुबीना दिलैक, अभिनव शुक्ला, जैस्मिन भसीन और अली गोनी चारों ने एजाज खान को टारगेट किया. प्रोमो में देखा जा सकता है रुबीना कहती हैं- एजाज मौसम के मुताबिक बदलने लग गया. अभिनव ने कहा- उन्होंने वाहियात एक्टिंग की और शो पर डाउट किया कि चार लोगों में से वो सिर्फ डिजर्विंग हैं, बाकी लोग फेवरटिज्म के दम पर यहां तक आ गए. अली ने कहा- एजाज का ऐसी धमकियां देना कि अगर ये जीत गई तो मैं देख लूंगा. जैस्मिन ने कहा- इन्होंने कहा कि ये मुझे बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं. चारों लोगों के ये तर्क एजाज को घर से बाहर निकालने के लिए दिए गए थे. वहीं निक्की तंबोली ने कश्मीरा शाह को नॉमिनेट किया.

फिलहाल, नॉमिनेशन की प्रक्रिया में कौन नॉमिनेट होता है कौन नहीं ये आने वाले एपसिोड में पता चलेगा. बता दें पिछले हफ्ते यानी शनविार-रवविार को किसी का एवक्शिन नहीं हुआ था. बल्कि शो में अली गोनी, निक्की तंबोली और राहुल वैद्य की रिएंट्री हुई. वहीं पिछले हफ्ते शो के एक्स-कंटेस्टेंट्स भी बगि बॉस के घर में दाखलि हुए.

क्या वकिास गुप्ता होंगे घर से बाहर ?

चर्चा है कि इस हफ्ते शो से विकास गुप्ता को एलिमिनेट कर दिया गया है. वे अपने अग्रेसवि नेचर की वजह से शो से बाहर हुए हैं. उन्होंने अर्शी खान को स्वमिंग पूल में धक्का दे दिया था जिस वजह से उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है. ये खबर कहां तक सच है इसका भी जल्द ही पता चल जाएगा.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ब्लैकमेलिंग से तंग बीटेक के छात्र ने की आत्महत्या

कानपुर (एजेंसी)। ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर बीटेक के एक छात्र ने फंदा लगाकर जान दे दी।

मरने से पहले छात्र ने सुसाइड नोट फेसबुक पर शेयर किया।

जिसमें उसने मोबाइल नंबर के साथ उन लोगों के नाम भी लिखे जो छात्र को पैसे के लिए ब्लैकमेल कर रहे थे।

मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही है।

प्राप्त विवरण के मुताबिक उन्नाव के हसनगंज निवासी अजय अवस्थी लखनऊ फल मंडी में आढ़ती हैं।

उनका २१ वर्षीय बेटा सत्यम अवस्थी गंगागंज भाग चार निवासी विनोद शुक्ला के साथ रहकर कानपुर के पनकी स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज से बीटेक अंतिम वर्ष की पढ़ाई कर रहा था।

परिजनों ने बताया कि काफी समय से सत्यम की महिला मित्र अमिता अग्निहोत्री और उसके दोस्त शुभम कुशवाहा, आकाश तिवारी, नितिन मिश्रा उसे ब्लैकमेल कर रहे थे।

चारों ने सत्यम से दो लाख रुपये भी ले लिए थे।

इसके बाद भी वे सत्यम का मानसिक उत्पीड़न कर रहे थे। इस से परेशान होकर सत्यम ने फेसबुक पर सुसाइड पोस्ट किया,

जिसमें उसने मोबाइल नंबर के साथ उन सभी लोगों के नाम शेयर किए जो उन्हें परेशान करता था।

इसके बाद सत्यम ने कमरे में फंदे लगाकर जान दे दी।

कुछ देर बाद जब ममेरा भाई माधव कमरे में पहुंचा तो घटना की जानकारी हुई।

सत्यम को फंदे पर लटका देख तुरंत दरवाजा तोड़ दिया गया।

इसके बाद उसे फंदे से नीचे उतारकर नजदीकी अस्पताल ले जाया गया,

जहां डॉक्टरों से उसे मृत घोषित कर दिया।

भारत गणराज्य की एकता के सूत्रधार थे सरदार पटेल-योगी

लखनऊ(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि भारत माता के महान सपूत तथा भारत गणराज्य की एकता और अखण्डता के सूत्रधार थे। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने भारत को एक सूत्र में बांधकर देश की एकता व अखण्डता का अभेद्य कवच बनाया।

मुख्यमंत्री योगी ने मंगलवार को यहां जीपीओ पार्क स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर अपने सम्बोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह देश भले ही राजनैतिक रूप से किसी काल खण्ड में अलग-अलग रहा हो, लेकिन सांस्कृतिक रूप से अतीत के उस काल खण्ड से जब से मानव ने इस धरती पर जन्म लिया है, उत्तर में हिमालय दक्षिण में समुद्र तक पूरा भारत एक सांस्कृतिक इकाई के रूप में जाना जाता था। हमारे शास्त्रों और भारतीय मनीषा ने सदैव इस इकाई को भारत भूमि या हिन्दुस्तान के रूप में मान्यता देकर इस भू सांस्कृतिक अवधारणा को राष्ट्र के रूप में माना था।

उन्होंने कहा कि इस देश में विदेशी हुकूमत ने एक काल खण्ड तक शासन किया। विदेशी हुकूमत यह जानती थी कि वे भारत पर तब तक स्थायी रूप से शासन नहीं कर सकते, जब तक कि यहां के नागरिक एक भाव के साथ जुड़े हुए हैं। उन्होंने यहां की एकता और अखण्डता को खण्डित करने का प्रयास भी किया, लेकिन सरदार पटेल ने एकता और अखण्डता को मजबूत करते हुए भारत को एक ऐसे स्वरूप में ला खड़ा किया, जहां सारी साजिशें नाकाम होकर रह गयीं। इस अवसर पर विधायी एवं न्याय मंत्री बृजेश पाठक, विधायक शशांक वर्मा, अपर मुख्य सचिव एमएसएमई एवं सूचना नवनीत सहगल आदि मौजूद थे।

ठण्ड से बचाव के लिए अलाव की व्यवस्था करने के निर्देश

लखनऊ(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि सर्दी के दृष्टिगत अलाव की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जरूरतमंदों को कम्बल वितरित करने तथा रैनबसेरों में सुरक्षा व स्वच्छता के व्यापक प्रबन्ध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री मंगलवार को यहां आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि पेयजल योजनाओं, मेडिकल कॉलेज परियोजनाओं आदि की डीपीआर समय से तैयार करते हुए इनका निर्माण निर्धारित समयावधि में पूर्ण किया जाए, ताकि जनता को समय से इन योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने मण्डलों में स्थापित किए जा रहे अटल आवासीय विद्यालयों को तेजी से पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे केजरीवाल-सिंह

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में २०२२ में होने वाले विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) के उतरने के दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के ऐलान के बाद योगी सरकार के सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि केजरीवाल मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे हैं। उन्होंने केजरीवाल को दिल्ली संभालने की नसीहत देते हुए चेतावनी दी की कि यूपी में उन्हें करारा जवाब मिलेगा।

दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल के ऐलान के बाद योगी सरकार के प्रवक्ता एवं काबीना मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने प्रेस वार्ता बुलाकर कहा कि २०२२ के बाद श्मुंगेरी लाल के हसीन सपने...श् की मशहूर कहावत को बदलकर हम केजरीवाल के हसीन सपने कहने लगेंगे। उन्होंने कहा कि केजरीवाल के ऑक्सिमित्र निकले हैं। ऑक्सिमित्रों से कहते तो वह ही उनका ऑक्सिजन चेक कर लेते। उन्होंने कहा लोकतंत्र में यदि को चुनाव मैदान में उतरता है तो उसका स्वागत है लेकिन सीएम केजरीवाल जैसी बयानबाजी कर रहे हैं वो गलत है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल की डींगें मारने की आदत है।

सिद्धार्थनाथ सिंह ने सीएम केजरीवाल पर हमला बोलते हुए कहा कि कोविड मैनेजमेंट कितना सफल रहा इस पर उन्हें जवाब देना चाहिए। इस मामले में यूपी और दिल्ली की तुलना नहीं की जा सकती। दिल्ली की आबादी जहां दो करोड़ है वहीं यूपी की आबादी २४ करोड़ है। क्षेत्रफल के मामले में भी यह कहीं बड़ा प्रदेश है। लेकिन दो करोड़ की आबादी में जहां कोरोना के ६०८००० केस आए वहीं यूपी में २४ करोड़ की आबादी में सिर्फ ५.६६ लाख

केस। इसका प्रतिशत निकालकर केजरीवाल जवाब दें। उत्तर प्रदेश में अब तक दो करोड़ टेस्ट हो चुके हैं। दिल्ली में अभी तक ७२ लाख टेस्ट ही हुए हैं।

योगी सरकार के प्रवक्ता सिद्धार्थनाथ सिंह ने आरोप लगाया कि केजरीवाल एक एम्स तक नहीं सम्भाल पा रहे हैं। जबकि उत्तर प्रदेश में दो एम्स और जोड़े गए हैं। सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि आप सरकार ने चार सालों में किया क्या है? उत्तर प्रदेश सरकार ने चार लाख सीधे रोजगार दिए हैं। सवा दो करोड़ लोगों को स्वावलंबी बनाया है। दिल्ली में ४५ प्रतिशत बेरोजगारी है। वहां १०० सरकारी प्राइमरी स्कूल हैं। यूपी में १.३५

लाख सरकारी स्कूल हैं। हम ५० हजार का कायाकल्प कर चुके हैं। उन्होंने इन मुद्दों पर सीएम केजरीवाल को बहस की चुनौती देते हुए कहा कि हम तैयार हैं।

सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता बेवकूफ नहीं है। मुख्यमंत्री केजरीवाल को २०१४ का हश्र याद रखना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि केजरीवाल ने टिप्पणी की थी कि पूर्वांचली पांच सौ के टिकट पर आते हैं और फ्री में पांच लाख का इलाज करवाकर चले जाते हैं। इस पर उन्हें पूर्वांचल के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। केजरीवाल ने यह भी कहा था कि दिल्ली में में पूर्वांचलियों के कारण कोविड की लड़ाई नहीं जीत पा रहे हैं। उन्होंने पूर्वांचल का अपमान किया था। पहले इसका जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सीएम केजरीवाल अब दिल्ली की जनता के सामने बेनकाब हो चुके हैं। जो बेनकाब होते हैं उन्हें पर्दे के पीछे छिप जाना चाहिए न कि आगे आना चाहिए।

गंगा, देश व संस्कृति की पहचान-राज्यपाल

लखनऊ (एजेंसी)। राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा है कि गंगा नदी हमारे देश व हमारी संस्कृति की पहचान व अमूल्य धरोहर है। जीवन दायिनी गंगा भारत की संस्कृति, आध्यात्मिक चिन्तन, जलवायु और अर्थव्यवस्था सभी पर अपनी अमिट छाप छोड़ती है।

राज्यपाल श्रीमती पटेल मंगलवार को यहां राजभवन से 'अतुल्य गंगा परियोजना' के अन्तर्गत प्रयागराज से आज से प्रारम्भ होकर १० अगस्त, २०२१ तक चलने वाली ५१०० किलोमीटर पैदल परिक्रमा का आनलाइन शुभारम्भ करते हुए कहा कि गंगा के दोनों तटों पर वृक्षारोपण करती हुई गांवों और शहरों से गुजरने वाली भारत की सबसे लम्बी पदयात्रा से देश में गंगा सहित सभी नदियों के लिए व पर्यावरण संरक्षण के लिए एक नई ऊर्जा का संचार होगा। इस गंगा यात्रा से गंगा संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता व सहभागिता भी बढ़ेगी। राज्यपाल ने कहा कि गंगा एक प्राकृतिक संसाधन के रूप में देश की अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। नदियां पर्यावरण और प्राकृतिक जैव विविधिता की संरक्षक हैं। उन्होंने कहा कि गंगा नदी अपने आसपास के क्षेत्र में मानव समाज ओर अन्य जीवों के साथ हमारों प्रजातियों के जलीय जीव-जन्तुओं का भी पोषण करती है।

राज्यपाल ने कहा कि देश, प्रदेश एवं समाज का विकास हो, मगर विकास ऐसा हो जो प्राकृतिक स्रोतों को कम से कम नुकसान पहुंचाए।

पेड़ से लटकते मिले युवक-युवती के शव

सुल्तानपुर (एजेंसी)। जिले के मोतिगरपुर के मुड़हा गांव में रिश्तेदारी में आई १९ साल की एक लड़की के साथ गांव के एक युवक का शव पेड़ से लटकता मिला। लोगों को महुआ के पेड़ से दोनों के शव लटकते मिले। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाने के साथ ही जांच-पड़ताल शुरूकर दी है।

जानकारी के मुताबिक गांव के दुर्गेश विश्वकर्मा के परिजन सोमवार की रात भोजन के बाद सोने चले गए। इसी बीच परिजनों में से किसी की नींद खुली तो दुर्गेश और गांव के ही रामचेत विश्वकर्मा के घर रिश्तेदारी में आई १९ वर्षीय युवती रिया विश्वकर्मा अपने-अपने घर से गायब मिले। दोनों के परिवारीजनों ने उनकी तलाश शुरूकर दी। काफी खोजबीन के बाद रात करीब एक बजे घर के पीछे महुआ के पेड़ से दोनों के शव लटकते मिले। गांववालों ने घटना की सूचना मोतिगरपुर पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मौजूदगी में दोनों शवों को पेड़ से नीचे उतरवाया और पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस इसे प्रेम प्रसंग में आत्महत्या का केस मानकर चल रही है।

अभिनेता सैफ अली खान पर वाद दाखिल, धार्मिक भावना आहत करने का आरोप

जौनपुर (एजेंसी)। यूपी के जौनपुर में फिल्म अभिनेता सैफ अली खान और निर्देशक ओम राउत के खिलाफ प्रभारी सीजेएम पंचम की अदालत में वाद दायर किया गया है। नगर कोतवाली क्षेत्र के जोगियापुर मोहल्ला निवासी एवं दीवानी न्यायालय के अधिवक्ता हिमांशु श्रीवास्तव की ओर से दायर वाद में धार्मिक भावना आहत करने का आरोप लगाया है। न्यायालय ने इस पर सुनवाई के लिए २३ दिसंबर की तिथि तय की है।

अधिवक्ता उपेंद्र विक्रम सिंह के माध्यम दाखिल अर्जी में हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा है कि वह सनातन धर्म में गहरी आस्था रखते हैं। ग्रंथों में श्रीराम को अच्छाई का और रावण को बुराई का प्रतीक माना गया है। भगवान राम पर आदिपुरुष फिल्म बनाई जा रही है, जिसमें रावण की भूमिका अभिनेता सैफ अली

खान निभा रहे हैं। छह दिसंबर को सैफ अली ने एक साक्षात्कार में कहा था कि रावण दयालु था। राम के भाई लक्ष्मण ने रावण की बहन की नाक काट दी थी, इस वजह से रावण का युद्ध जायज था और सीता का हरण भी जायज था। सैफ अली का साक्षात्कार सनातन धर्म की आस्था पर चोट करता है। सनातन धर्म के बारे में गलत प्रचार किया जा रहा है। इससे उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई।

वादी ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराने की मांग की है।

ग्राम पंचायत जोगिया के नागरिकों ने दिया आन्दोलन की चेतावनी

डीएम के आदेश के बाद भी नहीं हुई विकास कार्यों में मनमानी की जांच

बस्ती (एजेंसी)। बस्ती सदर विकास खण्ड क्षेत्र के ग्राम पंचायत जोगिया में विकास कार्यों में व्यापक मनमानी, बिना कार्य कराये भुगतान ले लिये जाने के प्रकरण में जिलाधिकारी के आदेश के बावजूद जिला समाज कल्याण अधिकारी ने जांच अधिकारी के रूप में ६ माह बीत जाने के बावजूद कोई जांच नहीं किया। जोगिया निवासी राम सजीवन पाण्डेय ने उच्चाधिकारियों को शपथ पत्र देकर मांग किया है कि ग्राम प्रधान रामकृष्ण पाण्डेय और सचिव के मिलीभगत से विकास कार्यो के बंदरबाट की जांच कराकर दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई और सरकारी धन की

रिकवरी कराया जाय। शपथ पत्र में राम सजीवन पाण्डेय ने कहा है कि ग्राम प्रधान और सचिव ने मिलकर गड्ढे की खुदाई, सौन्दर्यीकरण, खण्डजा निर्माण, ताल की खुदाई, इण्टर लाकिंग, प्राथमिक विद्यालय, जूनियर हाई स्कूल के फर्श निर्माण, हैण्ड पम्प, बोरिंग आदि के नाम पर बड़े पैमाने पर बिना कार्य कराये बंदरबांट कर लिया गया। यही नहीं शौचालय, प्रधानमंत्री आवास लाभार्थियों से रिश्वत ली गई। पंचायत भवन निर्माण में भी घटिया सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है। राम सजीवन पाण्डेय ने मांग किया है कि विकास कार्यो का स्थलीय सत्यापन कराकर दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई सुनिश्चित कराया जाय क्योंकि ग्राम प्रधान अपने प्रभाव, दबाव का प्रयोग कर जिलाधिकारी के आदेश पर भी भारी पड़ रहा है और जांच अधर में है। चेतावनी दिया है कि यदि एक सप्ताह के भीतर जांच न हुई तो वे जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष ग्रामीणों के साथ धरना प्रदर्शन को बाध्य होंगे।

सार-समाचार

स्कार्पियो से भिड़ी बाइक, जीजा-साली की दर्दनाक मौत

जौनपुर (एजेंसी)। जिले में एक सड़क हादसे में जीजा-साली की मौत हो गई। बलिया-लखनऊ मार्ग पर शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के सुरिस गांव के पास सोमवार की देर रात यह हादसा हुआ। ससुराल से साली को घर लेकर जा रहे जीजा की बाइक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की चपेट में आ गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्कॉर्पियो और दोनों के शव को कब्जे में ले लिया है। कार चालक मौके से फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार, सरपतहां थाना क्षेत्र के सरायमोहिद्दीनपुर गांव निवासी राधेमोहन प्रजापति (२८) की क्षेत्र के भरौली गांव में है। सोमवार को वह ससुराल आया था। देर रात अपनी साली किरन (२६) पुत्री रामबचन प्रजापति को लेकर बाइक से घर के लिए निकला। सुरिस गांव स्थित पापुलर राइस मिल के पास विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक सवार जीजा-साली की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद चालक स्कॉर्पियो छोड़कर मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों की सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने दोनों के शव को अपने कब्जे में ले लिया और सूचना परिजनों को दी।

युवक की गोली मारकर हत्या

सोनभद्र (एजेंसी)। जिले के राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र में बदमाशों ने एक युवक की गोली मार कर हत्या कर दी। अपर पुलिस अधीक्षक राजीव सिंह ने मंगलवार को बताया कि बीती रात करीब एक बजे पुलिस को सूचना मिली कि उरमौरा गांव में सड़क पर एक व्यक्तिघायल अवस्था में पड़ा हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे जिला अस्पताल लेकर गई जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। डाक्टर ने बताया कि मृतक के सीने में गोली मारी गयी हैं। मृतक की पहचान पुसौली गांव निवासी रामभुवन यादव (४२) के तौर पर की गयी है। परिजनों के अनुसार वह सुकृत स्थिति एक क्रशर प्लांट पर काम करता था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक एक हत्या के मामले में कारागार में बंद था और कुछ दिन पूर्व ही जमानत मिलने पर बाहर आया था। पुलिस मामला दर्ज कर हत्यारों की तलाश कर रही है।

दस लाख की हेरोइन सहित दो तस्कर गिरफ्तार

सोनभद्र (एजेंसी)। जिले के चोपन क्षेत्र से पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से १०० ग्राम हेरोइन बरामद की, जिसकी कीमत अन्तरराष्ट्रीय बाजार करीब दस लाख रुपये आंकी गई है। सूचना मिलने पर पुलिस ने नौटोलिया जाने वाले बाईपास व तेलगुडवा तिराहे पर हेरोइन बेचने की फिराक में खड़े दो तस्करों सत्यनारायण बंसल और गोविंदा को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से १०० ग्राम हेरोइन बरामद की गई। पुलिस ने इस सिलसिले में मामला दर्ज कर दोनों आरोपियो को जेल भेज दिया गया है।

दिनदहाड़े पीडब्ल्यूडी कर्मचारी को बाइक सवारों ने मारी गोली

लखनऊ (एजेंसी)। राजधानी के आशियाना थाना क्षेत्र के सेक्टर-एच में रहने वाले पीडब्ल्यूडी कर्मचारी को मंगलवार सुबह दो बाइक सवार नकाबपोश गोली मारकर भाग गए। कर्मचारी को गंभीर हालत में पड़ोसियों ने तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार चल रहा है। घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। प्राप्त विवरण के मुताबिक सर्वेश कुमार पत्नी ममता, बहन और एक बेटे के साथ आशियाना के सेक्टर एच, ई-३/६९४ में रहते हैं। सर्वेश कुमार पीडब्ल्यूडी में हैं, जबकि उनकी पत्नी ममता सचिवालय में कार्यरत हैं। घटना मंगलवार सुबह करीब साढ़े दस बजे की है। सर्वेश कुमार घर के बाहर अपनी स्कूटी साफ कर रहे थे। उसी समय दो नकाबपोश युवकों ने उनको गोली मार दी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। गोली की आवाज सुनकर भीड़ जुटी तो नकाबपोश हवाई फायर करते हुए फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच कर रही है।

जौनपुर में ९.८६ करोड़ से बनेगा अग्निशमन केंद्र

जौनपुर(एजेंसी) उत्तर प्रदेश में जौनपुर की नगर पंचायत खेतासराय में नौ करोड़ ८६ लाख रुपये की लागत से अग्निशमन केन्द्र का निर्माण किया जायेगा। जिलाधिकारी दिनेश कुमार सिंह ने मंगलवार को बताया कि जिले के नगर पंचायत खेतासराय के नौली गांव में बनने वाले दो यूनिट अग्निशमन केंद्र के आवासीय और अनावासीय भवनों के निर्माण कार्य के लिये राज्यपाल ने नौ करोड़ ८६ लाख ८३ हजार रुपये की मंजूरी दे दी है। उन्होंने बताया कि इसके बनने से क्षेत्र के सैकड़ों ग्राम के लोगों को सुविधा होगी।

युवक की सीएम योगी से गुहार-मेरी पत्नी वापस दिलवा दो सरकार

बागपत(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में बीएससी के एक छात्र ने सीएम योगी आदित्यनाथ से हाथ जोड़कर पत्नी वापस दिलवाने की गुहार लगाई है। युवक का आरोप है कि उसने ऊंची जाति की लड़की से लव मैरिज की थी, बाद में पत्नी के परिजन उनको उठा ले गए। पिछले काफी समय से युवक का पत्नी से सम्पर्क नहीं हो पाया है। उसका यह भी आरोप है कि लड़की के परिजन उसकी भी हत्या करने की धमकी दे रहे हैं।

पत्नी के साथ का वीडियो वायरल कर जताई अपनी हत्या की आशंका

पत्नी की तलाश कर थक चुके पीड़ित पति ने पत्नी के साथ का वीडियो भी वायरल किया है, जिसमें वह शादी के बाद परिजनों से जान का खतरा बता रहे हैं। लड़का और लड़की बागपत के मुकंदपुर ओवटी गांव के रहने वाले हैं।

लड़के का नाम कुलदीप है और लड़की का नाम प्रिया है। दोनों में काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

दिल्ली अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने बढ़ते कोहरे के बीच सुरक्षित उड़ान परिचालन के लिए कमर कसी

नयी दिल्ली। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने शहर में बढ़ते कोहरे के बीच सुरक्षित उड़ान परिचालन सुनिश्चित करने के लिए कमर कस ली है। उसके संचालक डायल ने मंगलवार को यह बात कही। उसने कहा कि जब कोहरे के कारण दृश्यता घट जाती है तो हवाई अड्डा 'एयरपोर्ट कोलाबोरेटिव डिसीजन मेकिंग' (एसीडीएम) इकाई का इस्तेमाल करता है जिसमें घरेलू एयरलाइनों, विमान यातायात नियंत्रण और दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) के प्रतिनिधि हैं। डायल ने कहा कि इस हवाई अड्डे पर तीन रनवे हैं और वे लैंडिंग सुविधा से लैस हैं एवं यह सुविधा कैट।।। बी परिचालन की अनुमति देती है। उसने कहा, ''ए कैट।।। बी अनुपालन बुनियादी ढांचा विमान को 50 मीटर की न्यूतनम दृश्यता पर उतरने को अनुमति देता है। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कोई भी विमान 125 मीटर की दृश्यता के साथ उड़ान भर सकता है। '' डायल ने कहा कि कोविड-19 महामारी के मद्देनजर फिलहाल टर्मिनल तीन प्रति घंटे 18 उड़ानों का परिचालन करता है जबकि टर्मिनल दो पर प्रति घंटे नौ उड़ानों का परिचालन होता है। साथ ही उसने कहा, कि पहले से किये गये अन्य सुरक्षा उपायों के साथ, यह विमान यात्रियों को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराएगा।

अन्नदाता आंसू बहा रहा है तब सरदार पटेल के सिद्धांतों पर विचार करने की जरूरत: राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने देश के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए मंगलवार को कहा कि वर्तमान समय में जब देश के अन्नदाता आंसू बहा रहे हैं तो ऐसे समय पटेल के सिद्धांतों पर विचार करने की जरूरत है। राहुल गांधी ने पटेल के एक कथन को उद्धृत करते हुए ट्वीट किया, 'मेरी एक ही इच्छा है कि भारत एक अच्छा उत्पादक हो और इस देश में कोई अन्न के लिए आंसू बहाता हुआ भूखा ना रहे। सरदार वल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।' उन्होंने कहा, 'आज जब अन्नदाता स्वयं आंसू बहा रहा है, हमें सरदार पटेल के सिद्धांतों पर विचार करने की ज़रूरत है।' कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सरदार पटेल की पुण्यतिथि पर ट्वीट किया, 'बारडोली के किसानों को अंग्रेजों ने संपत्ति कुर्की जैसी तमाम धमकियां दीं, लेकिन सरदार पटेल जी के नेतृत्व में किसान डिगे नहीं और सत्याग्रह की जीत हुई।'' उन्होंने कहा, ''सरदार पटेल जी की पुण्यतिथि पर आज इस सरकार को बताने की जरूरत है कि किसान झूठे प्रचार और धमकियों से नहीं डरते। जय हिंद, जय किसान।

इन राज्यों में 18 वर्ष से कम उम्र में हुआ 40 फीसदी महिलाओं का विवाह

नयी दिल्ली। बाल विवाह की घटनाएं बिहार, पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा में ज्यादा देखी जा रही हैं जहां 40 फीसदी से अधिक महिलाओं की शादी 18 वर्ष से कम उम्र में हुई। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के हालिया सर्वेक्षण में यह खुलासा हुआ है। सर्वेक्षण देश के 22 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में हुआ। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-पांच के समय आंध्रप्रदेश (12.6 फीसदी), असम (11.7 फीसदी), बिहार (11 फीसदी), त्रिपुरा (21.9 फीसदी), पश्चिम बंगाल (16.4 फीसदी) में 15 वर्ष से 19 वर्ष की आयु वर्ग में सबसे ज्यादा संख्या में महिलाएं या तो मां बन चुकी थीं या गर्भवती थीं। एनएफएचएस-पांच के तहत सर्वेक्षण 6.1 लाख घरों में हो रहा है जिसमें साक्षात्कार के माध्यम से जनसंख्या, स्वास्थ्य, परिवार नियोजन और पोषण से संबंधित कारकों पर सूचनाएं जुटाई जा रही हैं। बिहार (40.8 फीसदी), त्रिपुरा (40.1 प्रतिशत) और पश्चिम बंगाल (41.6 प्रतिशत) उन राज्यों में शामिल हैं जहां सर्वेक्षण में शामिल 20 से 24 वर्ष की महिलाओं में से अधिकतर का विवाह 18 वर्ष की उम्र से पहले हो गया था।

ममता का आरोप, पश्चिम बंगाल के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप कर रहा है केंद्र

जलपाईगुड़ी (पश्चिम बंगाल)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह आईपीएस अधिकारियों को अपने अंदर सेवा देने के लिए तलब कर राज्य के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप कर रही है। बनर्जी ने केंद्र सरकार को राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की चुनौती भी दी और पश्चिम बंगाल को 'दंगा प्रभावित' गुजरात में बदलने का प्रयास करने के लिए आलोचना की। उन्होंने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के काफिले पर हमला नहीं किया गया और आश्चर्य जताया कि 'दोषी ठहराए गए अपराधी' उनके साथ क्यों थे। बनर्जी ने यहां एक रैली में कहा, 'अगर भाजपा और केंद्र सरकार सोचती है कि वे केंद्रीय बल यहां लाकर और राज्य कैडर के अधिकारियों का तबादला कर हमें डरा देंगे तो वे गलत सोच रहे हैं। केंद्र हमारे अधिकारियों को तलब कर रहा है...कोई भी उन्हें (नड्डा) या उनके काफिले को चोट पहुंचाना नहीं चाहता था।' उन्होंने कहा, 'उनके काफिले में इतनी कारें क्यों थीं? दोषी अपराधी उनके साथ क्यों थे? जिन गुंडों ने पिछले वर्ष ईश्वर चंद्र विद्यासागर की प्रतिमा तोड़ी, वे भी नड्डा के साथ थे... इस तरह के गुंडों को खुला घूमते देखकर लोग क्रोधित हो गए...मैं केंद्र को चुनौती देती हूं कि बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाकर दिखाए।' राष्ट्र गान बदलने को लेकर भाजपा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा हाल में प्रधानमंत्री को लिखे गए पत्र का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर इस तरह का 'दुस्साहस' किया जाता है तो राज्य के लोग करारा जवाब देंगे।

किसानों को किया जा रहा गुमराह, उनकी शंकाओं के समाधान के लिए सरकार तैयार : पीएम मोदी

कच्छ (गुजरात)। (एजेंसी)।

तीन कृषि कानूनों के खिलाफ राजधानी दिल्ली की विभिन्न सीमाओं पर जारी किसानों के आंदोलन के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि किसानों का कल्याण उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रहा है और उनकी शंकाओं के समस्याओं के समाधान के लिए चौबीसों घंटे तैयार है। यहां कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करने के बाद प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा और उन पर किसानों को भ्रमित करने की साजिश रचने का आरोप लगाया। मोदी ने कहा, ''आज कल दिल्ली के आसपास किसानों को भ्रमित करने की बड़ी साजिश चल रही है। उन्हें डराया जा रहा है कि कृषि सुधारों के बाद किसानों की जमीन पर कब्जा कर लिया जाएगा।''

उन्होंने कहा कि हाल में हुए कृषि सुधारों की मांग वर्षों से की जा रही थी और अनेक किसान संगठन भी यह मांग करते थे कि किसानों को अनाज को कहीं पर भी बेचने का विकल्प दिया जाए। उन्होंने कहा, ''आज जो लोग विपक्ष में बैठकर किसानों को भ्रमित कर रहे हैं, वह भी अपनी सरकार के समय इन कृषि सुधारों के समर्थन में थे। लेकिन अपनी सरकार के रहते वे निर्णय नहीं ले पाए। किसानों को झूठे दिलासे देते रहे।'' मोदी ने कहा कि आज देश ने जब यह ''ऐतिहासिक कदम'' उठा लिया तो विपक्षी किसानों को भ्रमित करने में जुट गए हैं। उन्होंने कहा, ''मैं अपने किसान भाइयों बहनों को बार-बार दोहराता हूं। उनकी हर शंका के समाधान के लिए सरकार 24 घंटे तैयार है। किसानों का हित पहले दिन से हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक रहा है। खेती में किसानों का खर्च कम हो, उनकी आय बढ़े और मुश्किलें कम हों, इसके लिए हमने निरंतर काम किया है।''

उन्होंने हाल के दिनों में आए चुनाव नतीजों की ओर इशारा करते हुए कहा कि सरकार की ''ईमानदार नीयत'' और ईमानदार प्रयास को करीब-करीब पूरे देश ने आशीर्वाद दिए हैं। उन्होंने उम्मीद जताई और कहा, ''किसानों के आशीर्वाद की ताकत से... जो भ्रम फैलाने वाले लोग हैं, जो राजनीति करने पर तुले हुए लोग हैं, जो किसानों के कंधे पर बंदूक फोड़ रहे हैं... देश के सारे जागरूक किसान उनको भी परास्त करके रहेंगे।

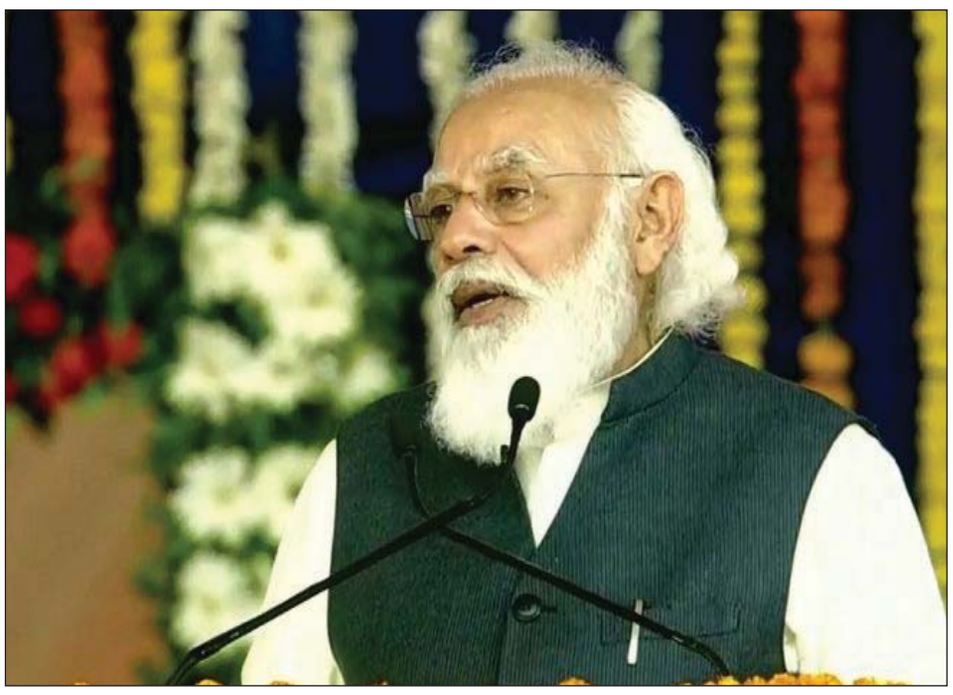

वेंकैया नायडू ने हरित इमारतों के निर्माण को बढ़ावा देने की अपील की, बोले- जन आंदोलन का रूप देना होगा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने मंगलवार को वित्त आयोगों और स्थानीय निकायों से कर रियायत समेत विभिन्न उपायों के जरिए हरित इमारतों के निर्माण को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने कहा कि हरित इमारतों को एक जगह सभी मंजूरी प्रदान करने के लिए सभी राज्यों को ऑनलाइन पोर्टल भी बनाना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने 12 वें गृह (ग्रीन रेटिंग फॉर इंटिग्रेटेड हैबिटेड एसेसमेंट समिट) की डिजिटल तरीके से शुरुआत करते हुए कहा कि भारत के पास हरित इमारत मुहिम में विश्व में अग्रणी भूमिका निभाने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि निजी और सरकारी दोनों क्षेत्रों को हरित इमारत निर्माण के विचार को प्रोत्साहन देना चाहिए।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक उपराष्ट्रपति ने कहा, ''देश में हरित इमारतों के बारे में जागरूकता बढ़ाना जरूरी है... इसे एक जन आंदोलन का रूप देना होगा। उन्होंने कहा, '' लोगों में धारणा है कि ग्रीन होम बनाने में बहुत ज्यादा खर्चा आता है। ऐसा नहीं है...दीर्घावधि में हरित भवन बहुत किफायती पड़ते हैं... उनमें बिजली, पानी, एसी का खर्चा काफी कम होता है।'' 'वर्ल्ड ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल' के आंकड़ों को जिक्र करते हुए नायडू ने कहा कि दुनिया में कार्बन डाय ऑक्साइड उत्सर्जन में 39 प्रतिशत हिस्सेदारी इमारत और निर्माण क्षेत्र की होती है। उन्होंने कार्बन का उत्सर्जन घटाने के लिए कदम उठाने की हिमायत की। उन्होंने कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' भारत को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए है। ऐसे में टिकाऊ विकास की जरूरत है और लोगों के बीच जागरूकता बढ़ानी चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भविष्य में बनने वाली इमारतों के लिए हरित प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल को जरूरी बनाना चाहिए और यह सभी तरह के भवनों पर लागू होना चाहिए। केवल नए भवनों के लिए ही नहीं बल्कि पुराने भवनों को भी पर्यावरण अनुकूल बनाना चाहिए।

कृषि कानूनों का विरोध राजनीति से प्रेरित है: देवेंद्र फडणवीस

मुम्बई। (एजेंसी)।

वरिष्ठ भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र विधानसभा में कहा कि केंद्र द्वारा पारित तीन कृषि कानूनों का राजनीतिक कारणों से विरोध किया जा रहा है और दावा किया कि जब कांग्रेस नीत संप्रग सत्ता में था तभी कृषि क्षेत्र में सुधार की पहल की गयी थी। विधानसभा में विपक्ष के नेता ने यह भी कहा कि रिपब्लिक टीवी के प्रधान संपादक अर्णब गोस्वामी और अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ मामलों से निपटने के तौर तरीके से 'राज्य सरकार का सत्ता का अहंकार नजर आया।' अनुपूरक मांगों पर बहस के दौरान उन्होंने कहा, ''...जो नियमों का उल्लंघन करते हैं, उनसे वर्तमान कानूनों से निपटा जा सकता है।'' फडणवीस ने कहा कि पिछले संप्रग का दृष्टिकोण था कि किसानों को अपनी मर्जी के हिसाब से अपनी ऊपज बेचने की आजादी होनी चाहिए जो हाल ही में पारित कृषि कानूनों का मुख्य तत्व है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, '' 2010 में सभी राज्यों के मंत्रियों की एक समिति कृषि सुधारों के क्रियान्वयन के संबंध में बनायी गयी थी ताकि किसानों के समक्ष प्रतिस्पर्धी और वैकल्पिक विपणन प्रणाली हो। '' उन्होंने कहा कि इसके लिए महाराष्ट्र की तत्कालीन कांग्रेस-राकांपा सरकार में मंत्री हर्षवर्धन पाटिल की अगुवाई में समिति बनायी गयी थी। उन्होंने कहा,, ''(लेकिन) जब इन सुधारों को अब लागू किया गया तो उनका (केंद्र द्वारा पारित इन तीन कृषि कानूनों का)विरोध क्यों किया जाए। यह (इन कानूनों का विरोध) राजनीति से प्रेरित है।'' फडणवीस ने कहा, ''हम कानून के शासन में यकीन करते हैं। यदि कोई गलत कर रहा है तो उसके विरूद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। हम (भाजपा) गोस्वामी और रनौत के विचारों से इत्तेफाक नहीं रखते।''

जयशंकर और ब्रितानी विदेश मंत्री ने की वार्ता, सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर की चर्चा

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ब्रितानी विदेश मंत्री डोमिनिक राब के साथ मंगलवार को मुलाकात के दौरान व्यापार, रक्षा, शिक्षा, पर्यावरण और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने को लेकर वार्ता की। राब ऐसे समय में तीन दिवसीय भारत यात्रा पर यहां आएं हैं, जब ब्रिटेन ब्रेक्जिट के बाद व्यापार समझौता करने के लिए यूरोपीय संघ के साथ जटिल वार्ता कर रहा है। राब 14 दिसंबर से 17 दिसंबर तक की भारत यात्रा पर आए हैं। ब्रेक्जिट के मद्देनजर ब्रिटेन भारत जैसी अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं के साथ व्यापार संबंध मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। इस प्रकार की आशंका जताई जा रही है कि किसी व्यापार समझौते के बिना यूरोपीय संघ से बाहर आने पर ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को काफी नुकसान होगा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा, ''विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने ब्रितानी समकक्ष एवं ब्रिटेन के विदेश मंत्री डोमिनिक राब का स्वागत किया। आपसी हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मामले एजेंडे में हैं।'' ऐसी संभावना जताई जा रही थी कि दोनों पक्ष समग्र द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए 10 साल का खाका तैयार करने पर भी ध्यान केंद्रित करेंगे। मंत्रालय ने सोमवार को कहा था कि राब की यात्रा से दोनों देशों के बीच कोविड-19 और ब्रेक्जिट के बाद के परिदृश्य में कारोबार, रक्षा, जलवायु, आवागमन, शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में गठजोड़ और भी मजबूत होने का मार्ग प्रशस्त होगा।

राब वन एवं पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर और शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक के साथ भी बैठक करेंगे। वह अपनी यात्रा के दौरान बेंगलूरू भी जायेंगे, जहां वह 17 दिसंबर को कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा से मुलाकात करेंगे। ऐसा माना जा रहा है कि यह यात्रा ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की अगले साल की शुरुआत में भारत की संभावित यात्रा का आधार तैयार करेगी।

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस का अगला अध्यक्ष कौन ? चयन प्रक्रिया शुरू

हैदराबाद। (एजेंसी)।

तेलंगाना में लगातार चुनावी हार का सामना करने के बाद कांग्रेस के सामने अब प्रदेश की इकाई के अध्यक्ष का चयन करने की चुनौती है। हाल ही में संपन्न हुए ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) चुनाव में पार्टी के खराब प्रदर्शन के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एन उत्तम कुमार रेड्डी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के तेलंगाना मामलों के प्रभारी एम. टैगोर ने कई नेताओं से इस मुद्दे पर चर्चा की है। माना जा रहा है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए कम से कम चार-पांच दावेदार हैं। वर्ष 2014 और 2018 के विधानसभा चुनाव के अलावा हाल ही में हुए जीएचएमसी चुनाव और दुब्बका उपचुनाव में हारने के बाद से तेलंगाना में कांग्रेस की हालत पतली है। हालांकि, तेलंगाना राज्य का गठन केंद्र में कांग्रेस के शासनकाल में हुआ था और पार्टी को उम्मीद थी कि इससे राज्य में उसकी स्थिति मजबूत होगी। पिछले साल कांग्रेस ने राज्य में तीन लोकसभा सीटें जीती थीं। तमिलनाडु से लोकसभा सदस्य एम. टैगोर ने पिछले सप्ताह विधायकों, सांसदों, वरिष्ठ नेताओं और जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों से विचार विमर्श किया था। टैगोर ने कहा कि लगभग 160 नेताओं के विचार लिए गए हैं क्योंकि पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने हमेशा व्यापक स्तर पर बातचीत की वकालत की है और इस प्रक्रिया में जिला स्तर के नेताओं की बात सुने जाने को महत्व दिया है। टैगोर ने कहा कि चर्चा की एक रिपोर्ट तैयार कर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को भेज दी गई है और आगे के निर्देशों का इंतजार किया जा रहा है। हालांकि, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष का चयन टेढ़ी खीर साबित हो सकता है क्योंकि पार्टी के नेताओं की राय टैगोर से मेल खाती हुई नहीं प्रतीत होती। इस संबंध में पूछे जाने पर टैगोर ने कहा कि इस प्रक्रिया में 160 लोगों की राय ली गई है और उन सबका मत भिन्न होना तय है। उन्होंने कहा, 'यह कोई एक राय नहीं ली गई है।' पार्टी सूत्रों के अनुसार पद के लिए कम से कम चार-पांच दावेदार हैं। इनमें पार्टी के सांसद के. वेंकट रेड्डी, ए. रेवंत रेड्डी, विधायक डी. श्रीधर बाबू और कांग्रेस विधायक दल के नेता एम भट्टी विक्रमार्क शामिल हैं।

प्रणब मुखर्जी के पुत्र ने पिता के संस्मरण का प्रकाशन रोकने को कहा, पुत्री शर्मिष्ठा ने किया विरोध

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के पुत्र अभिजीत मुखर्जी ने अपने पिता के संस्मरण का हवाला देकर मीडिया में आई कुछ बातों को 'प्रेरित' करार देते हुए मंगलवार को प्रकाशक से आग्रह किया कि वह उनकी लिखित सहमति तक प्रकाशन बंद करे। हालांकि, मुखर्जी की पुत्री शर्मिष्ठा ने अपने भाई के बयान का विरोध करते हुए कहा कि 'सस्ते प्रचार' के लिए पुस्तक का प्रकाशन रोकने का प्रयास नहीं होना चाहिए। पूर्व सांसद अभिजीत ने यह भी कहा कि उन्होंने पुस्तक द प्रेसिडेंशियल ईयर्स का प्रकाशन रोकने के लिए 'रूपा प्रकाशन' को पत्र लिखा है, जो इसका प्रकाशन कर रही थी।

इसे भी पढ़ें- ह महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के निधन पर शोक जताया

अभिजीत ने 'रूपा प्रकाशन' और इसके प्रबंध निदेशक कपिश मेहरा को टैग करते हुए ट्वीट किया, ''संस्मरण के लेखक के पुत्र होने के कारण मैं आप लोगों से आग्रह करता हूं कि इस पुस्तक और मेरी सहमति के बिना मीडिया के कुछ हिस्सों में आए पुस्तक के प्रेरित अंशों का प्रकाशन बंद करिए।'' उन्होंने कहा, ''मेरे पिता इस दुनिया में नहीं हैं। ऐसे में उनका पुत्र होने के कारण मैं पुस्तक की सामग्री का अध्ययन करना चाहता हूं क्योंकि मेरा मानना है कि अगर मेरे पिता जीवित होते तो वह भी ऐसा ही करते।'' पूर्व कांग्रेस सांसद ने कहा, ''ऐसे में मैं आप लोगों से आग्रह करता हूं कि जब तक मैं इसका अध्ययन नहीं कर लेता, तब तक आप लोग मेरी लिखित सहमति के बिना इस पुस्तक का प्रकाशन तत्काल रोकिए। मैं इस बारे में आप लोगों को पहले ही विस्तृत पत्र भेज चुका हूं।''

अभिजीत के इस ट्वीट पर मेहरा और उनके प्रकाशन की तरफ से फिलहाल कोई जवाब नहीं आया। अपने भाई के ट्वीट का जवाब देते हुए कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कहा, ''मैं संस्मरण के लेखक की पुत्री के तौर पर अपने भाई अभिजीत मुखर्जी से आग्रह करती हूं कि वह पिता द्वारा लिखी गई अंतिम पुस्तक के प्रकाशन में अनावश्यक अवरोध पैदा नहीं करें। वह (मुखर्जी) बीमार होने से पहले ही इसे पूरा लिख चुके थे। उन्होंने यह भी कहा, '' पुस्तक के साथ मेरे पिता के हाथों से लिखा हुआ नोट और टिप्पणियां हैं जिनका पूरी सख्ती से अनुसरण किया गया है। उनके द्वारा व्यक्त किए गए विचार उनके अपने हैं और किसी को सस्ते प्रचार के लिए इसे प्रकाशित कराने से रोकने का प्रयास नहीं करना चाहिए। यह हमारे दिवंगत पिता के लिए सबसे बड़ा अन्याय होगा।''

दरअसल, प्रकाशन की ओर से मीडिया में जारी पुस्तक के अंशों के मुताबिक, इसमें मुखर्जी ने राष्ट्रपति के तौर अपने अनुभवों और कांग्रेस के नेतृत्व में संदर्भ कई बातों का उल्लेख किया है। सार्वजनिक हुए अंशों के अनुसार, इसमें मुखर्जी ने लिखा है कि उनके राष्ट्रपति बनने के बाद कांग्रेस राजनीतिक दिशा से भटक गई और कुछ पार्टी सदस्यों का यह मानना था कि अगर 2004 में वह प्रधानमंत्री बनते तो 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए करारी हार वाली नौबत नहीं आती। मुखर्जी अपने निधन से पहले संस्मरण द प्रेसिडेंशियल ईयर्स को लिख चुके थे। रूपा प्रकाशन द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक जनवरी, 2021 से पाठकों के लिए उपलब्ध होने वाली थी मुखर्जी का कोरोना वायरस संक्रमण के बाद हुई स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के करण गत 31 जुलाई को 84 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)